लखनऊ

शुक्रवार, 22 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 266

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

अपने लक्ष्य के लिए जोशीले और जुनूनी बनिए.. विश्वास रखिए, परिश्रम का फल सफलता हि है...!

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

भड़काऊ भाषण मामले में अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत, 31 जुलाई तक गिरफ्तारी पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को कोलकाता हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। भड़काऊ भाषण देने के आरोप में दर्ज FIR मामले में कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत दी है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने निर्देश दिया है कि 31 जुलाई तक पुलिस द्वारा उनके खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। इसके साथ ही कोर्ट ने ये भी आदेश दिया है कि बनर्जी कोर्ट की अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ सकते। हाई कोर्ट ने ये भी कहा कि नोटिस मिलने के हर 48 घंटे के भीतर बनर्जी को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होना होगा। यह आदेश कोलकाता हाई कोर्ट के जज सौगतो भट्टाचार्य ने दिया है। बनर्जी ने याचिका दायर कर FIR रद्द करने की मांग की थी। बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उन पर भड़काऊ भाषण देने और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ धमकी भरा बयान देने का आरोप है। बता दें कि बंगाल में विधानसभा चुनाव के दौरान अभिषेक बनर्जी ने भड़काऊ भाषण दिया था। इसी बाबत उनके खिलाफ FIR दर्ज की गई थी। बनर्जी ने चुनाव प्रचार के दौरान बीजेपी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी दी थी। इसके बाद राजीव सरकार नाम के एक शख्स ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। शिकायत के मुताबिक, अभिषेक ने सीधे तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के अन्य नेताओं को धमकी दी थी। उन्होंने मंच से कहा था, मैं देखूंगा कि 4 मई (नतीजे के दिन) को उन्हें बचाने कौन आता है।

कई नामी स्कूलों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, सर्च ऑपरेशन के बाद खाली हाथ लौटी पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। चंडीगढ़ के स्कूली परिसरों में उस समय हड़कंप मच गया जब आज सुबह शहर के कई जाने-माने और प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड पर आ गईं और प्रभावित संस्थानों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया।गौरतलब है कि इसी हफ्ते की शुरुआत में भी शहर के तीन निजी स्कूलों को ऐसे ही धमकी भरे ईमेल मिले थे, जिसके बाद वहां तोड़फोड़-रोधी जांच की गई थी। हालांकि, पिछले मामलों की तरह इस बार भी विस्तृत तलाशी के बाद स्कूलों से कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। धमकी वाले ईमेल मिलते ही स्कूल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद स्थानीय पुलिस थानों की टीमें, तोड़फोड़-रोधी और बम निरोधक दस्तों के साथ, तुरंत स्कूलों के परिसरों में पहुंचीं। पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान एहतियाती तौर पर स्कूलों को खाली करा लिया गया और उनके चारों ओर घेराबंदी कर दी गई। धमकी वाले ईमेल की खबर मिलते ही कई अभिभावक अपने दफ़्तरों और घरों से स्कूलों की ओर दौड़ पड़े, जिससे इन संस्थानों के बाहर ट्रैफ़िक जाम लग गया। यह बताते हुए कि तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, पुलिस ने कहा कि साइबर सेल ईमेल के स्रोत का पता लगाने पर काम कर रही है। पिछले पांच महीनों में यह पांचवीं बार है जब शहर के स्कूलों को बम से उड़ाने की झूठी धमकियां वाले ईमेल भेजे गए हैं; इससे पहले 8 जनवरी, 14 जनवरी, 11 मार्च और 23 अप्रैल को भी ऐसी धमकियां मिली थीं।

अभी तो गर्मी का ट्रेलर है, फिल्म तो 25 मई से शुरू होगी... 9 दिन आसमान से बरसेगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली समेत उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और बिहार में गर्मी ने मई महीने में ही लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। अब मौसम विभाग ने आने वाले दिनों को लेकर और भी गंभीर चेतावनी जारी की है। दरअसल, उत्तर भारत के इन राज्यों में इस साल गर्मी 25 मई से 2 जून तक चरम पर रहेगी। इस समय को 'नौतपा' के नाम से जाना जाता है। हर साल नौतपा की तारीख बदलती रहती है। इन नौ दिनों में सूरज इतना तेज चमकता है कि दिन के समय सड़कें भट्टी की तरह तपती हैं। रात में भी उमस से नींद नहीं आती।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस दौरान तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होगी और कई राज्यों में पारा 45 डिग्री से 48 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि इस बार गर्मी ने पिछले वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अभी से ही कई राज्यों में तापमान सामान्य से काफी ऊपर दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में तो नौतपा शुरू होने से पहले ही तापमान 48 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका है। वहीं राजधानी दिल्ली में भी तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच चुका है।

नौतपा में क्यों पड़ती है भीषण गर्मी?

हर साल मई के आखिर और जून की शुरुआत में पड़ने वाला नौतपा लोगों के लिए भीषण गर्मी लेकर आता है। इस दौरान तापमान कई राज्यों में 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच जाता है। दिन में तेज धूप, रात में गर्म हवाएं और बढ़ती उमस लोगों का जीना मुश्किल कर देती है। इसके पीछे धार्मिक मान्यताओं के साथ-साथ कई वैज्ञानिक कारण भी जिम्मेदार हैं।

सूरज की स्थिति सबसे बड़ा कारण

नौतपा के दौरान पृथ्वी और सूरज की स्थिति गर्मी को चरम पर पहुंचा देती है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी लगभग 23.5 डिग्री झुकी हुई है। मई के अंत और जून की शुरुआत में सूर्य कर्क रेखा (Tropic of Cancer) के ठीक ऊपर पहुंच जाता है। इस वजह से उत्तरी गोलार्ध, खासकर भारत के मैदानी इलाकों में सूर्य की किरणें सीधे और ज्यादा तीव्रता के साथ पड़ती हैं। इस समय दिन भी साल के सबसे लंबे दिनों में शामिल होते हैं। सूरज सुबह जल्दी निकलता है और देर शाम तक आसमान में रहता है। लगातार कई घंटों तक पड़ने वाली तेज धूप जमीन को अत्यधिक गर्म कर देती है। यही वजह है कि रात के समय भी तापमान 30 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहता है और लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलती।

सूखी जमीन और लू बढ़ाती है परेशानी

लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जमीन की नमी लगभग खत्म हो जाती है। सूखी मिट्टी बहुत तेजी से गर्म होती है और वातावरण में गर्मी फैलाती है। पेड़-पौधों में भी नमी कम होने लगती है, जिससे हवा और अधिक शुष्क हो जाती है। इसी दौरान राजस्थान और रेगिस्तानी इलाकों से आने वाली गर्म पछुआ हवाएं यानी लू उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों को झुलसा देती हैं।

दिल्ली-एनसीआर में कैब-ऑटो की मेगा स्ट्राइक, अगले 3 दिन यात्रियों की बढ़ेगी मुसीबत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में वाणिज्यिक वाहन संघों ने दिल्ली सरकार द्वारा वाणिज्यिक वाहनों पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति उपकर बढ़ाने के फैसले के विरोध में गुरुवार से तीन दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी है। यह हड़ताल शनिवार तक जारी रहेगी और इससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में टैक्सी, ऑटो-रिक्शा और कई अन्य परिवहन सेवाएं बाधित होने की आशंका है, जिससे दैनिक यात्रियों को असुविधा होगी। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस और यूनाइटेड फ्रंट ऑफ ऑल ट्रांसपोर्ट एसोसिएशंस के बैनर तले 68 से अधिक परिवहन संघों ने इस चक्का जाम के आह्वान का समर्थन किया है।

ट्रक ऑपरेटरों, निजी बसों, टैक्सियों और मैक्सी कैब एसोसिएशनों का प्रतिनिधित्व करने वाली अखिल भारतीय मोटर परिवहन कांग्रेस ने मंगलवार को दिल्ली में एक बैठक आयोजित की, जहां सदस्यों ने उपकर में वृद्धि का कड़ा विरोध किया। परिवहन निकायों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि दिल्ली-एनसीआर के 68 से अधिक संघों और यूनियनों ने एआईएमटीसी के बैनर तले एकजुट होकर 21 से 23 मई तक परिवहन सेवाएं निलंबित करने का फैसला किया है। यह हड़ताल वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, अदालतों और दिल्ली सरकार द्वारा परिवहन क्षेत्र पर थोपी गई 'अन्यायपूर्ण और अनुचित नीतियों' के विरोध में की जा रही है। हड़ताल के बारे में बात करते हुए टैक्सी चालक नरेंद्र तिवारी ने कहा कि हाल के हफ्तों में चालकों की कमाई में भारी गिरावट आई है।

'बीजेपी में शामिल होने के आपके फैसले की आलोचना करना उल्लंघन नहीं'

राघव चड्ढा को दिल्ली हाईकोर्ट का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी की दिल्ली हाईकोर्ट ने आज बीजेपी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की निमानहानिकारक सामग्री को हटाने की अंतरिम याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इसी दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कुछ तीखी प्रतिक्रिया भी दी। हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा की याचिका पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा में शामिल होने के आपके राजनीतिक फैसले की आलोचना हो रही है। प्रथम दृष्टया, इसमें किसी भी प्रकार के व्यक्तिगत अधिकारों का उल्लंघन नहीं है। दिल्ली हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा से कहा कि आपके बीजेपी में जाने की राजनीतिक फैसले की आलोचना जरूर हो रही है, लेकिन प्रथम दृष्टया इसमें व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन का मामला नहीं बनता। कोर्ट ने कहा निस्संदेह आजादी के समय से ही हम आरके लक्ष्मण के कार्टून देखते आए हैं। उस दौर में शायद सोशल मीडिया इतना प्रभावशाली नहीं था, जितना आज हो चुका है।

राघव चड्ढा ने याचिका में क्या लिखा

जानकारी के लिए बता दें कि राघव चड्ढा की याचिका में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित एआई-जनरेटेड डीपफेक, छेड़छाड़ वाले वीडियो, फैब्रिकेटेड भाषण और भ्रामक सामग्री को हटाने की मांग की गई है। अदालत ने AI से बने वीडियो पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर इन वीडियो पर आपत्ति है, तो विशेष याचिका दाखिल करें। व्यापक रूप से रोक लगाने की मांग नहीं की जा सकती।

यूपी में भीषण गर्मी पर सीएम योगी अलर्ट, अस्पतालों में हीट स्ट्रोक मरीजों के लिए विशेष इंतजाम के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी कर राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में सतर्क रहने को कहा। मुख्यमंत्री के आदेशानुसार, जिला मजिस्ट्रेट, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग और राहत एजेंसियों को उच्च सतर्कता बरतनी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश में कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को अस्पतालों, पेयजल आपूर्ति और बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है और सरकारी अस्पतालों में लू लगने से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देशों में जनता से लू से बचाव के लिए सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने आदेश में कहा कि बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल पर विशेष ध्यान दें, सूती या खादी के ढीले-ढाले कपड़े पहनें और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी ऐसी लापरवाही भरी हरकत में शामिल न हों जिससे आग लगने का खतरा हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को कर्मचारियों को थकान, निर्जलीकरण और लू से बचाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर लू चलने की आशंका है। राज्य भर में भीषण गर्मी के बीच बांदा में तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे यह देश का सबसे गर्म स्थान बन गया। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, रविवार दोपहर को राज्य के कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। झांसी में 44.6 डिग्री सेल्सियस, प्रयागराज में 44.5 डिग्री सेल्सियस, हमीरपुर में 44.2 डिग्री, ओराई में 43.8 डिग्री, सुल्तानपुर में 43.3 डिग्री और वाराणसी (भुवन वर्ष) में 43.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

विभाग ने कहा कि राज्य भर में मौसम शुष्क रहने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर लू चलने की प्रबल संभावना है। रविवार को जारी मौसम चेतावनी में कहा गया है कि प्रयागराज, गाजीपुर, ओराई और आगरा में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहा, जबकि इटावा और मेरठ में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहा।

राहुल गांधी के 'गद्दार' वाले बयान पर संजय राउत बोले, 'राजीव गांधी के बेटे हैं, इस प्रकार की भाषा...'

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी के 'गद्दार' वाले बयान पर बीजेपी हमलावर है। इस पर शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि बीजेपी हमेशा हमलावर होती है। राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। सोच समझकर बात करते हैं। राजीव गांधी के पुत्र हैं। इंदिरा गांधी के पोते हैं। एक परंपरा है। इस प्रकार की भाषा इस्तेमाल करने की नौबत सिर्फ राहुल गांधी पर ही नहीं देश के और नेताओं पर भी आ रही है। इसके ऊपर बीजेपी और आरएसएस को आत्मचिंतन करना चाहिए कि इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल लोग क्यों कह रहे हैं।

पहलगाम आतंकी हमले में NIA ने पाकिस्तान स्थित लश्कर के आतंकी लंगड़ा को मास्टरमाइंड नंबर वन बताया है। इस पर संजय राउत ने कहा, 'वो लंगड़ा अभी कहां है? पाकिस्तान में है न? तो घुसकर उसको यहां लाइए न? आपने ऑपरेशन सिंदूर इसलिए किया था कि पहलगाम के जो अपराधी हैं उसको घुसकर मारेंगे। देश चाहता है कि लंगड़ा-टंगड़ा को फांसी पर लटकाइए। तभी होगा।'

प्रधानमंत्री की तरफ से मंत्रिपरिषद की बुलाई गई बैठक पर उन्होंने कहा, 'भारत की हालत बहुत गंभीर है। एशिया के दो बड़े देश चीन और भारत हैं। अब मोदी जी इटली जाकर आए हैं तो लगता है कि भारत की स्थिति सुधर जाएगी। कुछ वजह से कोई मंत्र लाया होगा। भारत की आर्थिक बहुत खराब है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बेरोजगारी बढ़ रही है। लोग कतार में खड़े हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सीजेआई सूर्यकांत ने दिए सभी उच्च न्यायालयों को ऑनलाइन सुनवाई के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने देश भर के सभी उच्च न्यायालयों को ऑनलाइन सुनवाई करने का निर्देश दिया है और उनमें से अधिकतर ने इसे लागू कर दिया है। प्रधान न्यायाधीन ने यह टिप्पणी तब की जब एक वकील ने प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष एक याचिका दाखिल की जिसमें दिल्ली की सभी अदालतों को अपना कामकाज ऑनलाइन माध्यम से करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। इस पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, " मैं पहले ही मुख्य न्यायाधीशों से अनुरोध कर चुका हूं। अधिकतर ने इसे लागू कर दिया है। यह बार और पीठ दोनों की स्वैच्छिक प्रक्रिया होनी चाहिए।' वकील ने सर्वोच्च अदालत को बताया कि अपनी याचिका में उन्होंने राष्ट्रहित में सभी जिला अदालतों को तीन महीने तक ऑनलाइन सुनवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, " जिला अदालत उच्च न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। जिला अदालतें उच्च न्यायालयों के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र में हैं। उन्हें इस पर निर्णय लेने दीजिए... मैंने उनसे जिला अदालतों के लिए भी अनुरोध किया है।' सोमवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर अनावश्यक खर्च को कम करने के लिए फिलहाल सोमवार और शुक्रवार को ऑनलाइन सुनवाई करने का अनुरोध किया था। शीर्ष अदालत ने 15 मई को, सोमवार और शुक्रवार को केवल वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मामलों की सुनवाई करने का फैसला किया और न्यायाधीशों ने ईंधन बचाने के लिए 'कार पूलिंग' व्यवस्था को प्रोत्साहित करने का 'सर्वसम्मति से संकल्प' लिया। पश्चिम एशिया संकट के कारण अनावश्यक खर्चों में कटौती करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद यह कदम उठाया गया है।

इबोला वायरस को लेकर भारत सरकार ने जारी की एडवाइजरी, लक्षण दिखने पर 21 दिनों तक निगरानी में रहेंगे यात्री

नई दिल्ली, एजेंसी। इबोला वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने नई स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशायल द्वारा जारी की गई यह एडवाइजरी उन यात्रियों के लिए है जो कांगो, युगांडा और साउथ सूडान से भारत आ रहे हैं या फिर इन देसों से ट्रांजिट होकर गुजर रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन यात्रियों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश जारी किए हैं। गुरुवार को डीजीएचसी द्वारा जारी की गई एडवाइजरी के मुताबिक, अगर किसी यात्री में बुखार, उल्टी, कमजोरी, सिरदर्द, दस्त, गले में दर्द या शरीर से असामान्य ब्लीडिंग जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, तो उन्हें तुरंत एयरपोर्ट हेल्थ ऑफिसर या हेल्थ डेस्क पर रिपोर्ट करने को कहा गया है। साथ ही संक्रमित व्यक्ति के खून या शारीर के संपर्क में आए लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है। एडवाइजरी में कहा गया है कि यात्रा के 21 दिनों के अंदर यदि किसी यात्री को ये लक्षण दिखाई देते हैं, तो उसे तुरंत मेडिकल जांच करानी चाहिए और अपनी ट्रैवल हिस्ट्री स्वास्थ्य अधिकारियों को बतानी चाहिए।

डीजीएचएस द्वारा जारी की गई एडवाइजरी के साथ ही दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट समेत अन्य इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स पर स्क्रीनिंग और निगरानी बढ़ा दी गई है। थाईलैंड के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएटी) ने गुरुवार को कहा कि उसने देश की विमानन प्रणाली में इबोला वायरस रोग की निगरानी और रोकथाम के उपायों को और सख्त कर दिया है।

गिरिराज सिंह का राहुल गांधी पर तीखा वार, बोले- कांग्रेस अब 'माओवादी, मुस्लिम' हो गई है

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि कांग्रेस अब वह पार्टी नहीं रही जो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान थी और अब एक माओवादी, मुस्लिम कांग्रेस बन गई है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले बोलते हुए, सिंह ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि यह उच्च स्तरीय बैठक राहुल गांधी की टिप्पणियों के जवाब में बुलाई गई थी।

गिरिराज सिंह ने कहा कि यह बैठक पहले से तय है। ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी के बयान पर प्रधानमंत्री बैठक बुलाएंगे, मंत्रिपरिषद की बैठकें तो नियमित रूप से होती रहती हैं। कांग्रेस नेता पर तीखा हमला करते हुए सिंह ने कहा कि देश में राहुल गांधी की पकड़ कमजोर हो गई है। अब कांग्रेस वैसी नहीं रही जैसी आजादी के समय थी। यह माओवादी, मुस्लिम कांग्रेस बन गई है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर प्रधानमंत्री को बार-बार अपशब्द कहने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि लोग अभी भी पीएम मोदी का समर्थन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इन लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी को गाली दी है। चाहे वे कितनी भी गाली दें, देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी से प्यार करती है। राहुल गांधी पर व्यक्तिगत रूप से निशाना साधते हुए सिंह ने कहा कि वे भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हुए हैं, जमानत पर हैं, और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए जिस भाषा का इस्तेमाल किया है, वह विपक्ष के नेता के लिए उपयुक्त नहीं है। उन्होंने राष्ट्रीय संकटों के दौरान प्रधानमंत्री के नेतृत्व का बचाव भी किया। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर संकट में देश के साथ खड़े रहे हैं और भविष्य में भी ऐसा करते रहेंगे। ये टिप्पणियां राहुल गांधी द्वारा अमेठी में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला करने के बाद आईं। उन्होंने चेतावनी दी थी कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की अशांति के कारण भारत पर आर्थिक तूफान आ रहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री देश को संकट के लिए तैयार करने में विफल रहे और उन्होंने पीएम मोदी की इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ हाल ही में हुई मुलाकात पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे मेलोनी के साथ टॉफियां खा रहे थे और वीडियो बना रहे थे।

'आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव की जरूरत', कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बोला तीखा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई है। पार्टी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अर्थव्यवस्था पर नए ज्ञान की जरूरत है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तंज कसते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री 'ज्ञानेश' (मुख्य चुनाव आयुक्त) के जरिए चुनाव मैनेज कर रहे हैं, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर उन्हें नए ज्ञान की जरूरत है। उन्होंने कहा हमें इकोनॉमिक पॉलिसी बनाने में बड़े बदलाव की जरूरत है, लेकिन मोदी सरकार के पास आइडिया खत्म हो गए हैं। अब तो सरकार के समर्थक भी सार्वजनिक रूप से अपनी चिंताएं जाहिर करने लगे हैं।

जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि देश में महंगाई का अनुमान बढ़ गया है और विकास दर के अनुमान में गिरावट आई है। विदेशी निवेश (FDI) लगातार कम हो रहा है। सप्लाई चेन का प्रबंधन इतना खराब है कि प्रधानमंत्री खुद उपभोक्ताओं से अपनी खपत कम करने की अपील कर रहे हैं। कांग्रेस लंबे समय से निवेश के खराब माहौल पर आवाज उठा रही है।

कांग्रेस नेता के अनुसार, निजी निवेश बढ़ाए बिना आर्थिक विकास को तेज नहीं किया जा सकता। निजी निवेश इसलिए नहीं बढ़ रहा क्योंकि लोगों की वास्तविक मजदूरी स्थिर है। इससे बाजार में सामान की मांग कम हो गई है। जब मांग ही नहीं होगी, तो कंपनियों के पास निवेश करने का कोई कारण नहीं बचेगा। उन्होंने यह भी कहा कि टैक्स नोटिस, छापेमारी और जांच एजेंसियों के डर की वजह से निवेशकों में अनिश्चितता का माहौल है।

चीखती दुल्हनें, बिलखता पिता': हाईवे पर महिलाओं ने दौड़ाई पुलिस, जमकर चले डंडे

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। मथुरा में बुधवार देर रात हाईवे थाना क्षेत्र के एक गांव में दो भाइयों की बरात चढ़ने के दौरान बवाल हो गया। आरोप है कि बरात अनुसूचित जाति के युवकों की थी इसलिए रास्ते में ठाकुरों ने पथराव कर दिया। जमकर हंगामा हुआ और दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई। सूचना पर आनन फानन पुलिस मौके पर पहुंच गई। मौके पर तनाव की स्थिति बनी हुई थी। पुलिस के सामने भी पथराव हुआ, जिसमें कई पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं।

क्षेत्र के गांव नरहौली में बुधवार को गुल्ला की दो बेटियों लक्ष्मी और पूनम की शादी थी। बरात गोवर्धन थाना क्षेत्र के गांव भरनकलां से आई थी। नेमचंद के बेटे अशोक और कुलदीप बरात लेकर आए थे। रात लगभग 11 बजे नरहौली में भरतपुर चौराहा से चढ़त शुरू हो गई। दोनों दूल्हे बाबा साहेब आंबेडकर की तस्वीर लेकर बग्गी पर सवार थे। दूल्हों के चाचा भगवानदास ने बताया कि रास्ते में ठाकुर बाहुल्य क्षेत्र है। जैसे ही वहां से बरात गुजरी तो अचानक घरों से पथराव शुरू हो गया।

करनावल गांव की आई याद....पुलिस के हाथ पांव फूले

जैसे ही नरहौली गांव में अनुसूचित जाति की बरात रोकने और पथराव की सूचना आई, पुलिस के हाथ पांव फूल गए। उन्हें यहां के करनावल गांव की घटना याद आ गई जिसमें ब्यूटी पार्लर से लौट रही अनुसूचित जाति की दो दुल्हनों को बुरी तरह से पीटा गया था। पिछले साल 21 फरवरी 2025 को मथुरा के ही गांव करनावल में बवाल हुआ था। घटना तब शुरू हुई जब दोनों दुल्हन बहनें ब्यूटी पार्लर से तैयार होकर कार से लौट रहीं थीं। रास्ते में उनकी गाड़ी और एक बाइक के बीच मामूली टक्कर हो गई। इसके बाद बाइक सवार लड़कों ने विवाद शुरू कर दिया। आरोपियों ने दुल्हनों के साथ गाली-गलौज की और उनकी पिटाई कर दी। दुल्हनों के रिश्तेदारों (जीजा और फूफा) को बुरी तरह पीटा। शाम को बरात में घुसकर हंगामा किया, जिससे डरकर राजस्थान से आए दूल्हों ने सुरक्षा कारणों से शादी करने से इनकार कर दिया और बरात बिना दुल्हन लिए वापस लौट गई थी। हालांकि इस मामले में रिफाइनरी थाना पुलिस ने 16 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और कई मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। बाद में दोनों बहनों की शादी अन्य युवकों से हो गई थी। मामला पूरे प्रदेश भर में गूंजा था। यही कारण रहा कि जैसे ही पुलिस को नरहौली की सूचना मिली, पुलिस तत्काल उधर दौड़ी। स्थिति पर नियंत्रण का प्रयास किया। महिलाएं आगे आईं तो पुलिस ने पीछे हटने में ही भलाई समझी।

छतों से बरसाईं ईंट

छतों से ईंटें बरसाई गईं। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। जमकर मारपीट हुई और पत्थर चले। इसमें कई लोगों को चोटें आई हैं। घायल 70 वर्षीय वृद्धा संतोषी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय निवासी मीना ठाकुर का कहना है कि बरातियों ने हंगामा किया है। वह रवि मिष्ठान भंडार में घुस गए और तोड़फोड़ कर दी। सूचना पर कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया था। दुल्हनों के भाई नाहर सिंह का कहना है कि आरोपियों ने उनके घर में घुसकर तोड़फोड़ की और दहेज के लिए रखा सामान क्षतिग्रस्त कर दिया।

पुलिस और लोगों में चली लाठियां

पुलिसकर्मियों और लोगों के बीच भी खूब लाठियां चलीं। लोगों ने पुलिसकर्मियों को दौड़ा लिया। महिलाएं भी लाठी लेकर पुलिस के सामने आ गईं। दोनों दुल्हनें भी मौके पर पहुंच गईं और हंगामा किया। उन्होंने पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। देर रात तक गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एडीएम एफआर पंकज वर्मा, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र, एसपी ट्रैफिक राजेश तिवारी फोर्स के साथ मौके पर जमे है। शादी की रस्में शुरू कर दी गई हैं। शांतिपूर्वक ढंग से बरात चढ़वाई जाएगी। उपद्रवियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी- पंकज वर्मा, एडीएम एफआर

महिलाओं ने लाठी लेकर पुलिस को दौड़ाया

नरहौली में बुधवार देर रात हुए पथराव में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए। जैसे ही पथराव की सूचना मिली, दोनों दुल्हनें मौके पर पहुंच गईं। उनका कहना है कि आरोपियों ने उनके घर में जमकर तोड़फोड़ की और पुलिस ने उनका साथ दिया। इतना ही नहीं, महिलाएं लाठी लेकर पुलिसकर्मियों के सामने आ गईं जिससे पुलिसकर्मियों को भागना पड़ा।

दुल्हन के भाई को आई चोट

दुल्हनों के भाई नाहर सिंह को भी पथराव में चोट लगी है। उन्होंने बताया कि ठाकुर समुदाय का कोई व्यक्ति बीमार था। जिस समय बरात चढ़ रही थी उसी समय वे उसे लेकर चिकित्सक के पास जा रहे थे। ये सभी बरात के निकट से गुजरे तो अचानक गालियां देने लगे। उन्होंने बग्गी में लात मारनी शुरू कर दी। इसी का विरोध किया गया तो मारपीट, पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद बवाल हुआ। दोनों दुल्हनों ने पहले दूसरे पक्ष के लोगों और फिर पुलिस पर पिटाई करने का आरोप लगाया। कहा कि आरोपी उनके घर में आ घुसे। दहेज का सामान तोड़ दिया। दहेज के लिए नया ट्रैक्टर लाए थे। इसी में ट्राली लगाकर बरात के लिए खानपान का कुछ सामान लेकर गए थे। आरोपियों ने ट्रैक्टर तोड़ दिया और सामान भी खुर्दबुर्द कर दिया। पुलिस ने खाना खा रहे बरातियों की पिटाई की।

ठाकुर पक्ष ने लगाया ये आरोप

उधर, ठाकुर पक्ष का आरोप है कि डांस को लेकर बराती पहले खुद ही लड़ बैठे। लड़ते लड़ते रवि मिष्ठान में घुस गए और यहां युवक की पिटाई कर दी। सामान तोड़ दिया। मिठाईयां खुर्द बुर्द कर दीं। इसका विरोध किया तो बरातियों ने पथराव शुरू कर दिया। देर रात बरात पंडाल में पहुंच गई थी और गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। दुल्हन और दूल्हे दोनों के ही परिवार कार्रवाई की मांग पर अड़े थे।

भीम आर्मी के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे

जैसे ही इस पूरे प्रकरण की सूचना मिली, भीम आर्मी मथुरा ईकाई के जिलाध्यक्ष आरके फाइटर सदस्य के साथ तत्काल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के लोगों का उत्पीड़न किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पहले भी ऐसा हुआ है जब मथुरा में अनुसूचित जाति की दुल्हनों की बरात चढ़ने से रोकी गई है। उन्हें पीटा तक गया है। जब तक आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे पीछे हटने वाले नहीं है।

गाजियाबाद में बड़ा हादसा : बेकाबू कार डिवाइडर से टकराकर पलटी, दो की मौत और तीन घायल

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में बड़ा हादसा हुआ है। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर राज चौपला स्थित ईएसआईसी अस्पताल के सामने बृहस्पतिवार सुबह भीषण सड़क हादस हो गया। गाजियाबाद से मेरठ के तरफ जा रही एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर पर चढ़कर रैपिड ट्रेन के पिलर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए व कार चालक समेत दो की मौत हो गए और तीन घायल हो गए। एक युवक कार से सुरक्षित बाहर निकला और मौके से कहीं चला गया। घायलों को उपचार के लिए मेरठ रेफर कर दिया गया।

जनपद मेरठ के थाना परतापुर स्थित गांव कुंडा निवासी आदेश कसाना गांव निवासी दोस्त कुलदीप, रोहित और आदेश पाल व रिठानी निवासी हिमांशु पाल के साथ कार से बुधवार रात लोनी की तरफ गए थे। बृहस्पतिवार तड़के वह पांचों अपने लोनी निवासी दोस्त अंकित तिवारी के साथ मेरठ लौट रहे थे। सुबह करीब पांच बजे जैसे ही वह दिल्ली-मेरठ मार्ग पर राज चौपले से पहले ईएसआईसी अस्पताल के पास पहुंचे तभी तेज रफ्तार कार अचानक बेकाबू हो गई और कार ने डिवाइडर पर चढ़कर रैपिड ट्रेन के पिलर से टकराकर कई पलटी खाई।

कार के परखच्चे के उड़े, आग लगी

हादसे में कार के परखच्चे के उड़ गए और आगले हिस्से में आग लग गई। राहगीरों ने किसी तरह आग को बुझाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों की मदद से कार में फंसे पांचों घायलों को बाहर निकालकर नगर एक निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने आदेश कसाना (32) और अंकित तिवारी (25) को मृत घोषित हो गई। कुलदीप, आदेश पाल और हिमांशु को गंभीर हालत के चलते मेरठ रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रोहित कार से सुरक्षित निकल वहां से चला गया। हादसे के बाद दिल्ली मेरठ मार्ग पर यातायात बाधित हो गया। हादसे में ईएसआईसी अस्पताल की महिला सफाईकर्मी और डिवाइडर पर सो रहा मानसिक मंदित व्यक्ति बाल-बाल बच गया। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

श्रद्धा के साथ कांग्रेसियों ने मनाया राजीव गांधी का बलिदान दिवस

सुल्तानपुर। आधुनिक भारत के निर्माता, भारत रत्न एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का बलिदान दिवस बृहस्पतिवार को जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय राजीव गांधी के योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में स्वर्गीय राजीव गांधी के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात कांग्रेसजन शहर स्थित राजीव गांधी पार्क पहुंचे, जहां स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने "राजीव गांधी अमर रहें" के नारों के साथ उनके विचारों और देश के प्रति योगदान को याद किया। इसके उपरांत राजीव गांधी प्रतिमा स्थल पर हवन-पूजन का आयोजन किया गया तथा देश की एकता, अखंडता एवं शांति के लिए प्रार्थना की गई। कार्यक्रम के समापन पर शांति भोज का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं आम लोगों ने भाग लिया। पूरे कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने देश को आधुनिक तकनीक, संचार क्रांति और युवा सोच की नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी का सपना था कि गांव, गरीब, किसान, नौजवान और हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। आज देश को उनके विचारों और नीतियों की सबसे अधिक आवश्यकता है। वहीं शहर अध्यक्ष शकील अंसारी व पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार मिश्र (मुन्नु) ने कहा कि राजीव गांधी ने देश में सूचना क्रांति लाकर भारत को आधुनिक युग में प्रवेश दिलाने का कार्य किया। उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत कर गांवों तक लोकतंत्र को पहुंचाने का ऐतिहासिक कार्य किया। कांग्रेस कार्यकर्ता उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज में भाईचारा, प्रेम और सद्भाव बनाए रखने का कार्य करेंगे। राष्ट्रीय सचिव बीपी सिंह व वरिष्ठ नेता प्रमोद मिश्रा ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने देश को आधुनिक सोच, तकनीकी विकास और युवाओं की नई ऊर्जा से जोड़ने का कार्य किया।

अफवाहों पर विराम! संत प्रेमानंद महाराज ने दिए दर्शन, भक्तों की खत्म हुई बेचैनी

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। संत प्रेमानंद महाराज को लेकर सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की भ्रांतियां फैल रही थीं। इसी बीच गुरुवार को वृंदावन में महाराज के दर्शन होने से भक्तों ने राहत की सांस ली। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनके दर्शन के लिए पहुंचे और महाराज ने भी भक्तों की भावनाओं का सम्मान करते हुए दर्शन दिए।

दरअसल, हाल ही में संत प्रेमानंद महाराज की तबीयत खराब होने की खबरें सामने आई थीं, जिसके चलते उनकी पदयात्रा और एकांतिक दर्शन अस्थायी रूप से स्थगित कर दिए गए थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनके स्वास्थ्य को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलने लगीं। हालांकि आश्रम की ओर से लगातार बताया जा रहा है कि महाराज के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है।

भक्तों के बीच पहुंचकर दर्शन देने के बाद श्रद्धालुओं ने खुशी जताई और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही अफवाहों को नजरअंदाज करने की अपील की। वृंदावन में महाराज के दर्शन के दौरान भक्तों में खास उत्साह देखने को मिला। हालांकि महाराज ने आश्रम से बाहर आकर परिक्रमा मार्ग में कुछ दूरी तक पदयात्रा की, वह हर रोज की तरह सौभरि वन नहीं गए।

नैनो उर्वरकों के प्रभावी उपयोग विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सुल्तानपुर। कृषि क्षेत्र में आधुनिक नैनो एवं पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज कृषि विज्ञान केंद्र में इफको द्वारा नकद विक्रय केंद्र प्रभारियों के लिए नैनो उर्वरकों के प्रभावी उपयोग एवं प्रचार-प्रसार विषयक एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए 35 से अधिक नकद विक्रय केंद्र प्रभारियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विज्ञान केंद्र सुल्तानपुर प्रथम के प्रभारी डॉ. जे. बी. सिंह रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरक कृषि क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल है, जो न केवल फसल उत्पादन में वृद्धि करता है, बल्कि मृदा एवं पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने उपस्थित विक्रय केंद्र प्रभारियों से किसानों के बीच नैनो उर्वरकों को अधिक से अधिक लोकप्रिय बनाने तथा इसके वैज्ञानिक लाभों की जानकारी पहुंचाने का आह्वान किया।

13074 शीशी कोडीन युक्त कफ सिरप जब्त, ग्राहक बनकर गोदाम पहुंची थी एंटी नारकोटिक्स की टीम

आर्यावर्त संवाददाता

मिर्जापुर। मिर्जापुर के कटरा कोतवाली क्षेत्र में एंटी नारकोटिक्स टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में कोडीनयुक्त कफ सिरप बरामद किया है। ककरहवा स्थित एसएस मेडिकल एजेंसी के गोदाम पर बीती रात ग्राहक बनकर पहुंची टीम ने छापेमारी कर 13,074 बोतल कफ सिरप जब्त की। मामले में तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, जबकि एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

कटरा कोतवाल वैद्यनाथ सिंह ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स टीम को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि वाराणसी क्षेत्र के कुछ लोग लाइसेंस की आड़ में कोडीनयुक्त कफ सिरप का अवैध भंडारण और तस्करी कर रहे हैं। सूचना की पुष्टि होने के बाद एएनटीएफ टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की।

बताया गया कि मंगलवार रात टीम ग्राहक बनकर ककरहवा स्थित गोदाम पहुंची और कफ सिरप की मांग की। इसके बाद गोदाम से कफ सिरप बाहर निकाला जाने लगा। इसी दौरान टीम ने छापा मार दिया। मौके से पिकअप वाहन में कफ सिरप लाद रहे अजय कुमार यादव उर्फ अजीत निवासी कोयला बाजार, आदमपुर वाराणसी को गिरफ्तार कर लिया गया।

छापेमारी के दौरान गोदाम से 109 पेटियों में रखी 13,074 बोतल कोडीनयुक्त कफ सिरप बरामद की गई। पुलिस ने मौके से एक कार, एक बाइक और एक आईफोन भी जब्त किया है। हालांकि कार्रवाई के दौरान कुछ आरोपी मौके से फरार हो गए।

एंटी नारकोटिक्स टीम ने कटरा कोतवाली में अजय कुमार यादव उर्फ अजीत, वासलीगंज घास की गली निवासी सुधांशु चौरसिया और तेलियाबाग निवासी लकी उर्फ मुन्ना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी अजीत ने बताया कि गोदाम का संचालन सुधांशु चौरसिया करता है। जांच में यह भी सामने आया कि गोदाम एसएस पालीवाल के नाम पर पंजीकृत है। फिलहाल एंटी नारकोटिक्स और पुलिस टीम पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है।

मानदेय न मिलने पर संविदा कर्मचारियों ने किया कार्य बहिष्कार, स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में दो माह से मानदेय न मिलने से नाराज राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार से कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। इससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं हैं। मरीजों की न जांच हो सकी और न ही इलाज मिला। कई किलोमीटर दूर से आए मरीजों को बगैर इलाज के ही लौटना पड़ा।

यह धरना-प्रदर्शन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर किया जा रहा है। संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद वर्मा और महामंत्री सचिन गुप्ता के नेतृत्व में तिलहर सीएचसी में कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। संविदाकर्मियों के कार्य बहिष्कार से कई मरीजों को बिना दवा लिए ही वापस लौटना पड़ा।

कर्मचारी बोले- मानदेय न मिलने से खर्च चलाना मुश्किल

अस्पतालों में दवा वितरण और अन्य व्यवस्थाएं बाधित रहीं, जिससे दूर-दराज से आए मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कर्मचारियों का कहना है कि लगातार दो माह से मानदेय न मिलने के कारण परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। उनका आरोप है कि सरकार की विभिन्न योजनाओं में अहम भूमिका निभाने के बावजूद उन्हें समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा। सीएचसी के साथ ही राजनपुर पीएचसी और रमापुर अर्बन अस्पताल सहित क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। कर्मचारियों ने सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए जल्द भुगतान की मांग की है।

मायूस होकर लौटे मरीज

गांव मलूकापुर की ईश्वरवती ने बताया कि वह सांस की बीमारी से पीड़ित हैं और करीब दस किलोमीटर दूर से सीएचसी दवा लेने आई थीं। दवा न मिलने पर उन्हें मायूस होकर घर लौटना पड़ा। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह निजी अस्पताल में इलाज कराने में सक्षम नहीं हैं। गांव ढकिया रघा के सुरेश पाल सिंह सुबह करीब दस बजे साइकिल से सीएचसी पहुंचे थे। उन्हें खांसी, जुकाम और बुखार की दवा लेनी थी, लेकिन संविदा कर्मचारियों के धरने के कारण दवा नहीं मिल सकी। उन्हें भी बिना उपचार के ही लौटना पड़ा। तिलहर सीएचसी प्रभारी डॉ. ओमेंद्र राठौर ने बताया कि संविदा कर्मचारियों ने मानदेय न मिलने के विरोध में तीन दिवसीय हड़ताल शुरू की है। उन्होंने कहा कि मानदेय जारी होने के बाद कर्मचारी फिर से कार्य पर लौट आएंगे। डॉ. राठौर ने यह भी स्वीकार किया कि डॉक्टरों और स्टाफ की कमी के कारण मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान डॉक्टर अभिषेक जौहरी, प्रियंका यादव, संगीता, शिवानी और मीनू सहित कई संविदा कर्मचारी धरने पर मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बोलेरो का कहर : मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला अनुदेशक की मौत, दो सहेलियां गंभीर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला अनुदेशक की तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी दो सहेलियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद बोलेरो चालक वाहन समेत फरार हो गया।

यह हादसा नगर कोतवाली के अमहट चैकी क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय रानीगंज के सामने महुअरिया रोड पर हुआ। सुबह का समय होने के कारण सड़क पर लोगों की आवाजाही कम थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तीनों महिलाएं सड़क किनारे टहल रही थीं, तभी पीछे से तेज गति में आई एक बोलेरो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 32 वर्षीय दीपिका गुप्ता पत्नी अजय गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। दीपिका अमहट क्षेत्र की निवासी थीं और अनुदेशक के पद पर कार्यरत थीं। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं हादसे में घायल हुईं स्नेहलता पाण्डेय (40) पत्नी दुर्गेश पांडेय और पूनम तिवारी (42) पत्नी शिव शरण तिवारी को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। दोनों महिलाएं कर्मयोगी नगर, महुअरिया, अमहट की रहने वाली हैं। डॉक्टरों के मुताबिक दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों महिलाएं सड़क पर दूर जा गिरीं। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नगर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात बोलेरो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से फरार वाहन और चालक की तलाश की जा रही है।

जीबीसी 5.0 के तहत हर जनपद में निवेश सुनिश्चित हो: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों के साथ बैठक कर ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 की तैयारियों और निवेश प्रस्तावों की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि सात लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक जनपद में निवेश सुनिश्चित किया जाए, जिससे प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने और विनिर्माण क्षमता को सशक्त बनाने में मदद मिले।

बैठक के दौरान इन्वेस्ट यूपी के अधिकारियों ने लीड्स 2025 श्रेणी में उत्तर प्रदेश को प्राप्त उत्कृष्टता सम्मान मुख्यमंत्री को समर्पित किया। अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश परिवहन, भंडारण और आधारभूत संरचना विकास के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए अधिकारियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री के समक्ष ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। प्रदर्शनी को आठ क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिनमें उत्तर प्रदेश के बदलते स्वरूप, आधारभूत संरचना, रक्षा एवं अंतरिक्ष क्षेत्र, विद्युत वाहन और हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण, वस्त्र उद्योग, पर्यटन तथा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में हुए बदलावों को प्रदर्शित किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे में भूमि की मांग तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही जिन परियोजनाओं को वर्षों पहले भूमि आवंटित की गई लेकिन अब तक निवेश नहीं हुआ, उनकी अद्यतन समीक्षा भी की जाए। उन्होंने विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास बढ़ाने और आमजन से जुड़े विषयों को प्राथमिकता में रखने पर बल दिया।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि निवेश समझौते करते समय संस्थानों की पूरी जांच-पड़ताल अनिवार्य रूप से की जाए। निवेशकों के साथ बेहतर व्यवहार और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रदेश के लिए लाभकारी होगा, क्योंकि संतुष्ट निवेशक प्रदेश के प्रतिनिधि की भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने भूमि बैंक बढ़ाने और निवेशकों को प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से सम्मानित करने के निर्देश भी दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब पारंपरिक औद्योगिक राज्य की छवि से आगे बढ़ते हुए रक्षा निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, हरित ऊर्जा, आंकड़ा केंद्र, परिवहन और उच्च तकनीक विनिर्माण का उभरता राष्ट्रीय केंद्र बन रहा है।बैठक में उत्तर प्रदेश रक्षा एवं विदेशी निवेश सम्मेलन 2026 का प्रस्तुतिकरण भी किया गया। प्रस्तावित सम्मेलन लखनऊ में आयोजित किया जाएगा, जिसमें रक्षा मंत्रालय, वैश्विक कंपनियों, रक्षा विशेषज्ञों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा नवाचार आधारित उद्योगों को एक मंच पर लाने की योजना है। सम्मेलन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे में रक्षा और अंतरिक्ष उद्योगों को आकर्षित करना तथा उद्योग, सरकार और रक्षा संस्थानों के बीच समन्वित व्यवस्था विकसित करना है।अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को विभिन्न निवेश प्रकोष्ठों की प्रगति से भी अवगत कराया। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में 8,050 करोड़ रुपये से अधिक, मोटर वाहन क्षेत्र में 722 करोड़ रुपये, वस्त्र क्षेत्र में 1,321 करोड़ रुपये तथा इस्पात और सीमेंट क्षेत्र में 12,232 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त होने की जानकारी दी गई।बैठक में विभिन्न देशों से संभावित निवेश प्रस्तावों की भी समीक्षा हुई। अधिकारियों ने बताया कि जापान, सिंगापुर, जर्मनी, ब्रिटेन, ताइवान, संयुक्त अरब अमीरात और दक्षिण कोरिया से बड़े निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। अगस्त माह में सिंगापुर और जापान के लिए प्रस्तावित व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री ने तैयारियां बेहतर ढंग से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एशिया के प्रमुख विनिर्माण और प्रौद्योगिकी निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, अब विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में ड्रेस कोड होगा अनिवार्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अब यूनिफॉर्म अनिवार्य होगी। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में एकरूपता के साथ बेहतर शैक्षणिक संस्कृति विकसित करने के लिए यह व्यवस्था लागू होगी। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर उच्च शिक्षा विभाग ने इसके लिए कवायद शुरू कर दी है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि हर शिक्षण संस्थान में यथासंभव एक समान ड्रेस कोड लागू किया जाएगा। इससे छात्र-छात्राओं के बीच समानता और अनुशासन की भावना को बढ़ावा मिलेगा। छात्र वर्ग एक समरूप वर्ग होता है, जहां किसी भी प्रकार का ऊंच-नीच या भेदभाव नहीं होना चाहिए। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाना नहीं बल्कि शिक्षण संस्थानों में सकारात्मक, अनुशासित और संस्कार युक्त माहौल तैयार करना भी है। ड्रेस कोड केवल अनुशासन का प्रतीक नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और समान अवसर की भावना को मजबूत करने का माध्यम भी बनेगा। इससे छात्र-छात्राओं का ध्यान शिक्षा और व्यक्तित्व विकास पर अधिक केंद्रित रहेगा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि कई बार पहनावे के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक असमानता दिखाई देती है। इससे कुछ छात्रों में हीन भावना तथा कुछ में श्रेष्ठता का भाव विकसित हो जाता है। ड्रेस कोड लागू होने से इन परिस्थितियों पर प्रभावी नियंत्रण होगा। सभी छात्र समान वातावरण में अध्ययन कर सकेंगे। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से जल्द ही इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

कूटरचित दस्तावेज बनाकर करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस आयुक्तालय लखनऊ की मोहनलालगंज कोतवाली पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर मकान बेचने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त पर संगठित गिरोह के साथ मिलकर झूठे आश्वासन और फर्जी अभिलेखों के माध्यम से धन हड़पने का आरोप है।पुलिस के अनुसार उन्नाव जनपद के बेहटा नथई सिंह निवासी गायत्री देवी ने थाना पीजीआई में शिकायत दर्ज कराई थी कि सुनील कुमार शुक्ला, रवि सिंह, सर्वेश कुमार पाण्डेय, गौरव अवस्थी, विपिन कुमार शुक्ला, रीतू सिंह, कंचनलता उर्फ अंजना तथा अन्य लोगों ने वृंदावन योजना स्थित मकान बेचने के नाम पर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर और झूठे आश्वासन देकर लगभग 73 लाख 99 हजार 911 रुपये हड़प लिए। मामले में थाना पीजीआई में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पूर्व में चार अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा चुकी है।इसी क्रम में नामजद और वांछित अभियुक्त सत्येश प्रशांत पुत्र रामराज, उम्र लगभग 47 वर्ष, को पुलिस ने गिरफ्तार किया। अभियुक्त केनरा बैंक में मंडल प्रबंधक के पद पर कार्यरत बताया गया है। वर्तमान में वह इंदिरानगर क्षेत्र में निवास कर रहा था। पुलिस ने उसे गोरखपुर जनपद के नौका विहार तिराहे के पास से सर्विलांस की सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया।पूछताछ में सामने आया कि अभियुक्त ने बैंक पदाधिकारी होने का लाभ उठाते हुए वादिनी पक्ष को विश्वास दिलाया था कि संबंधित मकान के मूल अभिलेख बैंक प्रक्रिया में सुरक्षित हैं तथा ऋण भुगतान के बाद बैनामा कराने में कोई समस्या नहीं होगी। इसी भरोसे में पीड़ित पक्ष द्वारा आगे भी धनराशि जमा की गई।

आलमबाग पुलिस ने गैर जमानती वारंट के अभियुक्त को किया गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस आयुक्तालय लखनऊ के मध्य जोन के थाना आलमबाग पुलिस दल ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के तहत एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना आलमबाग में मारपीट, गाली-गलौज, धमकी और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है।पुलिस के अनुसार अपराधियों और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त मध्य, अपर पुलिस उपायुक्त मध्य तथा सहायक पुलिस आयुक्त कैंट के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक आलमबाग के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान न्यायालय में लंबित वाद संख्या 468/2018 से संबंधित गैर जमानती वारंट के अभियुक्त राहुल को उसके घर से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त राहुल पुत्र कैलाश राम, श्रम विहार नगर मवैया, थाना आलमबाग का निवासी है और उसकी आयु लगभग 28 वर्ष बताई गई है। अभियुक्त के विरुद्ध थाना आलमबाग में वर्ष 2016 में मारपीट, गाली-गलौज, धमकी और गर्भपात संबंधी धाराओं में मुकदमा पंजीकृत है।पुलिस ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद उसे वारंट की जानकारी देकर विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक धीरज यादव, मुख्य आरक्षी धीरेन्द्र सिंह तथा आरक्षी मनजीत देशवाल शामिल रहे।

राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, विचार गोष्ठी आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय 'नेहरू भवन' सहित पूरे प्रदेश में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लेकर राजीव गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।कार्यक्रम में राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी ने राजीव गांधी को सूचना क्रांति का जनक बताते हुए कहा कि आज भारत जिस प्रकार सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है, उसकी नींव राजीव गांधी ने रखी थी। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने संविधान के 73वें और 74वें संशोधन के माध्यम से पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत किया तथा महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर राजनीति में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान केंद्र सरकार महिला आरक्षण को लेकर केवल राजनीति कर रही है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि राजीव गांधी दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने युवाओं के भविष्य को देश की प्रगति से जोड़ा। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की, संगणक क्रांति को बढ़ावा दिया, उपभोक्ता संरक्षण व्यवस्था को मजबूत किया तथा पंचायती राज कानून लागू कर देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए।अजय राय ने कहा कि कांग्रेस नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आजादी, एकता और अखंडता के लिए बलिदान दिया, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अंग्रेजों से सहयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने वर्तमान सरकार पर भी राष्ट्रीय हितों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया।राजीव गांधी के शिक्षा संबंधी योगदान का उल्लेख करते हुए अजय राय ने कहा कि उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से देशभर में सैकड़ों नवोदय विद्यालय स्थापित कराए, जहां निःशुल्क शिक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए अजय राय ने कहा कि राजीव गांधी किसानों को देश की आत्मनिर्भरता की रीढ़ मानते थे। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी का मानना था कि यदि किसान मजबूत होंगे तो देश मजबूत होगा। अजय राय ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान में संवेदनशील नहीं रही है।वरिष्ठ प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने कहा कि राजीव गांधी ने सूचना क्रांति के माध्यम से गांवों को देश और दुनिया से जोड़ने का कार्य किया।

काकोरी में युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। काकोरी कस्बे के बरगदतला मोहल्ले में गुरुवार सुबह एक 23 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर थाना काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।पुलिस के अनुसार सुबह करीब साढ़े नौ बजे सूचना मिली कि बरगदतला मोहल्ले में एक युवती ने फांसी लगा ली है। मौके पर पहुंचकर परिजनों से पूछताछ में प्रथम दृष्टया पता चला कि शालिनी यादव पुत्री बृजपाल यादव ने अपने कमरे में छत के पंखे से दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के पिता काकोरी थाना क्षेत्र के दुर्गागंज इलाके में ढाबा संचालित करते हैं।घटना की सूचना पर क्षेत्रीय जांच दल को मौके पर बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया तथा आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है तथा शव को परीक्षण के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में शांति व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।उधर, सरोजनीनगर क्षेत्र में युवक के साथ मारपीट कर जबरन वाहन में बैठाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सामाजिक माध्यमों और अन्य समाचार मंचों पर प्रसारित खबर के बाद पुलिस ने मामले की जांच की।प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया कि गंगानगर अमौसी निवासी गिरजेश को अमौसी निवासी संदीप सिंह और अन्य लोगों ने टी.एस. मिश्रा चिकित्सालय के पास बुलाया था। वहां उसे एक वाहन में बैठाकर वाराणसी में दर्ज एक मुकदमे में उसके भाई की न्यायालय में अनुपस्थिति को लेकर पूछताछ की गई।

लखनऊ महापौर के वित्तीय-प्रशासनिक अधिकार किए गए फ्रीज, जिलाधिकारी देखेंगे काम

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने बृहस्पतिवार को राजधानी के वार्ड संख्या-73 फैजुल्लागंज से निर्वाचित पार्षद ललित किशोर तिवारी को पांच महीने के बाद भी पद एवं गोपनीयता की शपथ न दिलाए जाने पर सख्त नाराजगी जताते हुए लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार फ्रीज कर दिए हैं। कोर्ट ने जिलाधिकारी और नगर आयुक्त को अगले आदेश नगर निगम का काम देखने के लिए कहा है।

न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति एसक्यूएच रिजवी की खंडपीठ ने यह आदेश ललित किशोर तिवारी की याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया। याचिकाकर्ता ने बताया कि निर्वाचन न्यायाधिकरण ने उन्हें 19 दिसंबर 2025 को निर्वाचित घोषित किया था लेकिन अब तक उनको शपथ नहीं दिलाई गई है।

शिवा जी मार्ग व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। शिवा जी मार्ग व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को हुसैनगंज स्थित एक होटल में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अमरनाथ मिश्र, चेयरमैन राजेंद्र अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि पवन मनोचा तथा कार्यवाहक अध्यक्ष सतीश अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।इस अवसर पर लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने शिवा जी मार्ग व्यापार मंडल की नई कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए दायित्व सौंपे। गोपाल दीक्षित को अध्यक्ष, अंकित शर्मा को वरिष्ठ महामंत्री तथा अभिनव गुप्ता को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर वैभव मिश्रा, कपिल सिंघल, संजय गोयल, विक्रम अरोड़ा और देवेंद्र सिंह को जिम्मेदारी दी गई। उपाध्यक्ष पद पर पवन गुप्ता, संजय गुप्ता, विभोर अग्रवाल, आर. मसूद और संदीप गुप्ता को दायित्व मिला।महामंत्री पद पर रितेश अग्रवाल, नीरज त्रिवेदी, गुरदीप सिंह, सुमित गोयल और फहद आलम को जिम्मेदारी सौंपी गई। संयुक्त मंत्री पद पर प्रवीण भगत, सुनील अग्रवाल, शशांक चौरसिया, अंकित अग्रवाल और करण नायर को नामित किया गया, जबकि उमंग खेतान को सह-कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके साथ ही अजय भट्ट, अनुराग अग्रवाल, पुनीत लालचंदानी, अनंत गर्ग, अंकुर गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, अमित सिंह, मनीष महाजन, अतुल कुमार गर्ग, अनुभव अग्रवाल, पंकज नंदवानी, रोहित अरोड़ा, शाहबाज खान, मोहित सोनी, वैभव अग्रवाल और वरुण तलवार सहित अन्य सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया।

संक्षेप

44 जिलों में हुई लेखपाल भर्ती परीक्षा, लखनऊ के केंद्र में उड़ी पेपर लीक की अफवाह ; 82 .29 % हुए शामिल

लखनऊ। प्रदेश में 7994 पदों पर लेखपाल भर्ती के लिए बृहस्पतिवार को प्रदेश के 44 जिलों के 861 केंद्रों पर लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में पंजीकृत 366712 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 301756 कुल 82 .29 फीसदी अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन व शासन स्तर से कड़ी निगरानी की गई। परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक एक पाली में आयोजित की गई थी। इसमें परीक्षा शुरू होने पर राजधानी के गोपीनाथ लक्ष्मणदास रस्तोगी इंटर कॉलेज, ऐशबाग के एक कमरे से पेपर लीक होने की अफवाह उड़ी। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा इसका सत्यापन जिला प्रशासन व अन्य अधिकारियों से किया गया। इसमें यह सूचना गलत पाई गई। आयोग के सचिव हरिकेश चौरसिया के अनुसार वहां पर ओएमआर व पेपर सील पैकेट में सुरक्षित थे। कमरा संख्या 21 के कुछ अभ्यर्थी परीक्षा शुरू होने के पहले भ्रम में उठकर कमरे से बाहर आ गए थे, जिन्हें वहां उपस्थिति अधिकारियों ने सही जानकारी देते हुए परीक्षा में वापस शामिल कराया। उन्होंने बताया कि बुलंदशहर के शिवकुमार अग्रवाल जनता इंटर कॉलेज, जहांगीराबाद केंद्र पर एक संदिग्ध अभ्यर्थी मिला।

राजधानी में बिजली संकट का सड़क पर दिखा गुस्सा, उपकेंद्र पर पथराव-हंगामा ; हाईवे जाम, पानी को तरसे

लखनऊ। राजधानी के उपभोक्ताओं को बृहस्पतिवार को भी बिजली संकट से राहत नहीं मिली। बिजली गुल होने पर रात भर जागे लोगों ने रायबरेली रोड, बुद्धेश्वर मोहान रोड, टिकैतराय तालाब रोड पर जाम लगाया और अपट्रॉन व नूरबाड़ी उपकेंद्र का घेराव कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों कहना था कि बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण पानी के लिए भी तरसना पड़ रहा है। नूरबाड़ी ओल्ड उपकेंद्र के मोज्जमनगर व आसपास के करीब 1500 घरों की बिजली बुधवार रात 11 बजे केबल में फॉल्ट के कारण गुल हो गई। रात एक बजे तक आपूर्ति बहाल न होने पर नाराज उपभोक्ताओं ने बुधवार रात 1:30 बजे नूरबाड़ी व अपट्रॉन उपकेंद्र का घेराव कर टिकैतराय तालाब कॉलोनी के पास सड़क पर जाम लगा दिया। एसडीओ गुलरेज अली ने बताया कि हुबलाल फीडर के भूमिगत केबल में फॉल्ट आने के कारण नूरबाड़ी न्यू उपकेंद्र के फीडर से मोज्जमनगर व आसपास इलाकों की बिजली को चालू किया गया था। दूसरी तरफ फॉल्ट को भी सही कराया जा रहा था। नूरबाड़ी उपकेंद्र कर्मियों ने बताया कि इसी बीच 100-150 के झुंड में लोग गालीगलौज करते हुए कार्यालय में घुस गए और मारपीट पर आमादा हो गए। जब लोगों को बताया कि उनकी बिजली अपट्रॉन उपकेंद्र से चलती है तो लोगों ने वहां पहुंचकर आधे घंटे तक हंगामा किया। आरोप है कि जब कर्मियों ने अंदर से गेट बंद कर दिया तो लोगों ने पथराव भी किया। हंगामा के दौरान पुलिस ने लाठी फटकार कर भीड़ को खदेड़ा। इस इलाके में संकट बृहस्पतिवार सुबह 4 बजे समाप्त हुआ।

अब सड़क पर खड़ी करके सवारी नहीं भर सकेंगी रोडवेज बसें, यात्रियों को बैठाकर ही निकल सकेंगे स्टेशन से

लखनऊ। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और भीषण गर्मी के बीच यात्रियों की सुरक्षा के लिए परिवहन निगम ने अधिकारियों को अहम निर्देश जारी किए हैं। रोडवेज बसें सड़कों पर नहीं खड़ी की जाएंगी। बस स्टेशन पर ही खड़ी होंगी। वहीं पर यात्री चढ़ेंगे और उतरेंगे। ड्राइवरों को निर्देशों का पालन करने कहा गया है, उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के निर्देश पर निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन सिंह ने सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों और अधिकारियों को सड़क सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने के आदेश दिए हैं। निगम ने साफ किया है कि किसी भी हालत में रोडवेज बसें सड़क किनारे खड़ी नहीं की जाएंगी।

अमेठी सैटेलाइट सेंटर में विद्युत उपकेंद्र का उद्घाटन, विकास कार्यों को मिलेगी गति

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने गुरुवार को अमेठी स्थित सैटेलाइट सेंटर में 33/0.4 केवीए विद्युत उपकेंद्र का उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह स्थापना सैटेलाइट सेंटर में चौबीसों घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करेगी तथा शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।उद्घाटन अवसर पर विशेष कार्याधिकारी प्रो. राज शरण शाही और निदेशक डॉ. संदीप कुमार नायक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. संदीप कुमार नायक द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि सैटेलाइट सेंटर के समग्र विकास के लिए विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने भविष्य में केंद्र के विस्तार के लिए कई अतिरिक्त आधारभूत संरचना संबंधी कार्य शीघ्र शुरू किए जाने की घोषणा की। इस दौरान सैटेलाइट सेंटर के ऊर्ध्वाधर और समग्र विकास को लेकर विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा भी की गई।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रो. मित्तल के पिछले एक वर्ष के कार्यकाल में सैटेलाइट सेंटर में अनेक विकास कार्य सम्पन्न हुए हैं। इनमें 20 से अधिक व्याख्यान कक्षों तथा शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यालयों का नवीनीकरण, 60 संगणक प्रणालियों से युक्त संगणक केंद्र की स्थापना, 62 छात्राओं की क्षमता वाले छात्रावास का विकास, 125 सीटों वाले सभागार का नवीनीकरण तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार शामिल है।प्रो. राज शरण शाही ने शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खत्म हुई स्वगणना, करीब 50 लाख लोगों ने भरे फॉर्म; शुक्रवार से घर-घर जाएंगे जनगणना कर्मी

लखनऊ। जनगणना-2027 के तहत चल रही स्वगणना की प्रक्रिया बृहस्पतिवार को समाप्त हो गई। दो सप्ताह में प्रदेश के 46.93 लाख लोगों ने स्वगणना की प्रक्रिया पूरी की। अब शुक्रवार से जनगणना कर्मी घर घर जाएंगे। जिनके फॉर्म भरे जा चुके हैं उनका सत्यापन करेंगे, वहीं जिन्होंने फॉर्म नहीं भरे हैं उनके फॉर्म भरवाकर प्रक्रिया पूरी करवाएंगे। ये प्रक्रिया 20 जून तक चलेगी। सात मई से स्वगणना की प्रक्रिया शुरू हुई थी। जिसके तहत परिवार के मुखिया को पोर्टल पर ऑनलाइन फॉर्म भरना था। उसमें व्यक्तिगत जानकारी के साथ परिवारीजनों की संख्या व मकान संबंधित जानकारी देनी थी। ये सुविधा हर किसी के लिए उपलब्ध थी। बृहस्पतिवार तक इसकी समयसीमा तय की गई थी। जनगणना की मुख्य अधिकारी शीतल वर्मा ने बताया कि पूरे प्रदेश से 46.93 लाख लोगों ने फॉर्म भरे हैं।

राज्य कर्मचारियों की हुई बल्ले-बल्ले, डीए की बढ़ोत्तरी के बाद इतना होगा वेतन ; 16 लाख कर्मचारियों को लाभ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते (डीए) में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। इसके साथ ही डीए 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया गया है। बढ़ा हुआ डीए एक जनवरी 2026 से लागू होगा। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार ने शासनादेश जारी कर दिया है। इस फैसले से प्रदेश के करीब 16.35 लाख राज्य कर्मचारियों और 11.52 लाख पेंशनरों को लाभ मिलेगा। यानी कुल मिलाकर लगभग 28 लाख कर्मचारी और पेंशनर बढ़े हुए महंगाई भत्ते का फायदा पाएंगे। जारी आदेश के अनुसार राज्य सरकार के नियमित, पूर्णकालिक कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक संस्थाओं के कर्मचारियों, शहरी स्थानीय निकायों के कर्मचारियों तथा कार्य प्रभारित कर्मचारियों को बढ़े हुए डीए का लाभ मिलेगा। एक जनवरी 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक के डीए एरियर का भुगतान सीधे नकद नहीं किया जाएगा। यह राशि कर्मचारियों के भविष्य निधि (जीपीएफ) अथवा राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) खातों में जमा की जाएगी। मई 2026 के वेतन से कर्मचारियों को बढ़े हुए डीए का नकद भुगतान शुरू होगा। आदेश में कहा गया है कि जिन कर्मचारियों का जीपीएफ खाता नहीं है, उनकी एरियर राशि पीपीएफ या राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र के रूप में जमा कराई जाएगी। वहीं, जो कर्मचारी 1 जनवरी 2026 से पहले सेवानिवृत्त हो चुके हैं या 30 अप्रैल 2026 तक सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उन्हें डीए एरियर का भुगतान नकद किया जाएगा। राज्य सरकार ने यह फैसला केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत किए जाने के बाद लिया है।

नक्सल मुक्त बीजापुर में विकास की नई दस्तक

चार दशकों बाद फिर सजी पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली की साप्ताहिक बाजारें बंद पड़े हाट-बाजारों में लौटी रौनक, आदिवासी अंचलों की अर्थव्यवस्था को मिला नया जीवन

कभी माओवाद के आतंक और भय के कारण वीरान पड़े बीजापुर जिले के सुदूर वनांचल अब विकास, विश्वास और नई उम्मीदों की मिसाल बनते जा रहे हैं। नक्सलवाद से मुक्ति के बाद जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन तेजी से पटरी पर लौट रहा है। इसका सबसे जीवंत उदाहरण उसूर ब्लॉक के आवापल्ली क्षेत्र अंतर्गत पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली के साप्ताहिक बाजार हैं, जहां लगभग चार दशकों बाद फिर से रौनक लौट आई है।

एक समय ऐसा था जब इन क्षेत्रों में भय और असुरक्षा के कारण ग्रामीणों की आवाजाही लगभग बंद हो चुकी थी। माओवाद के प्रभाव के चलते यहां के पारंपरिक साप्ताहिक बाजार पूरी तरह ठप पड़ गए थे। लेकिन अब नक्सल मुक्त वातावरण बनने के बाद बाजारों में फिर से चहल-पहल दिखाई देने लगी है। ग्रामीण, व्यापारी और आदिवासी बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं, जिससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है।

बस्तर की पहचान हैं साप्ताहिक हाट-बाजार

बस्तर अंचल केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खनिज संपदा के लिए ही नहीं, बल्कि वनोपज आधारित समृद्ध परंपराओं के लिए भी देशभर में जाना जाता है। यहां के साप्ताहिक हाट-बाजार स्थानीय संस्कृति, सामाजिक जीवन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं।

बीजापुर जिला चारों ओर से घने वनांचलों से घिरा हुआ है, जहां आदिवासी समुदाय का जीवन जंगल और वनोपज पर आधारित है। इमली, महुआ, टोरा, चिरौंजी, तेंदू जैसी बहुमूल्य वनोपज यहां के लोगों की आय का प्रमुख स्रोत हैं। ग्रामीण इन उत्पादों का संग्रहण कर साप्ताहिक बाजारों में विक्रय करते हैं तथा बदले में दैनिक जरूरत की वस्तुएं खरीदते हैं।

इन बाजारों का महत्व केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक मेल-मिलाप, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामुदायिक जीवन का भी केंद्र होते हैं।

चार दशकों तक सन्नाटा, अब लौट रही जीवन की रफ्तार

उसूर ब्लॉक के पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली के साप्ताहिक बाजार कभी आसपास के अनेक गांवों की आर्थिक धुरी हुआ करते थे। लेकिन माओवादी गतिविधियों और असुरक्षा के माहौल ने इन बाजारों की रौनक छीन ली। धीरे-धीरे यहां व्यापार बंद हो गया और क्षेत्र आर्थिक रूप से प्रभावित होने लगा।

अब जब क्षेत्र पूरी तरह नक्सल मुक्त हो चुका है, तब वर्षों से बंद पड़े बाजारों में फिर से दुकानें सजने लगी हैं। ग्रामीण दूर-दराज के गांवों से बाजार पहुंच रहे हैं। महिलाएं वनोपज लेकर आ रही हैं तो छोटे व्यापारी दैनिक उपयोग की सामग्री बेचने पहुंच रहे हैं। बाजारों में फिर से स्थानीय बोली, पारंपरिक वेशभूषा और आदिवासी संस्कृति की जीवंत झलक दिखाई देने लगी है।

आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

पुनः प्रारंभ हुए ये साप्ताहिक बाजार स्थानीय आदिवासी समुदाय के लिए आर्थिक संबल बनकर उभर रहे हैं। ग्रामीणों को अब अपने उत्पाद बेचने के लिए दूरस्थ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है। इससे समय और संसाधनों की बचत हो रही है तथा स्थानीय स्तर पर आय के नए अवसर भी बढ़ रहे हैं।

बाजारों के पुनर्जीवित होने से छोटे व्यापारियों, किसानों और वनोपज संग्राहकों को सीधा लाभ मिल रहा है। साथ ही क्षेत्र में परिवहन, छोटे व्यवसाय और अन्य आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिल रही है।

शांति और विकास का नया प्रतीक बन रहा बीजापुर

बीजापुर में लौटती बाजार संस्कृति यह दर्शाती है कि शांति स्थापित होने पर विकास की संभावनाएं किस प्रकार तेजी से आकार लेती हैं। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार से अब वनांचल के गांव भी मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली के बाजारों में लौटती रौनक केवल व्यापार की वापसी नहीं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा और समृद्ध भविष्य की वापसी का प्रतीक है। यह बदलता हुआ बीजापुर अब संघर्ष की नहीं, बल्कि विकास और आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहा है।

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है।

ललित गर्ग

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों- अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है। आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है। विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में "जी-2" यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुध्रूवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़ सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुध्रूवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है।

भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए।

भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर "चाइना प्लस वन" रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा। तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए। भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है।

टिप्पणी

बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग की लत

एक बड़ी समस्या बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ी लत है। इसे कैसे नियंत्रित और अनुशासित किया जाए, इस चुनौती का सामना तमाम समाजों को करना पड़ रहा है। भारत में क्या किया जाए, यह महत्त्वपूर्ण सवाल है।

ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने का कानून पारित करने के लगभग एक साल बाद केंद्र ने इस पर अमल के नियम तय किए हैं। स्पष्टतः इनमें गेमिंग के हानिकारक असर और तकनीकी प्रगति के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है। कहा जा सकता है कि इस कोशिश में सरकार काफी हद तक सफल है। ऑनलाइन गेमिंग प्रोत्साहन एवं विनियमन कानून मुख्य रूप से ऑनलाइन जुए को रोकने के लिए बनाया गया था। गेम के नाम पर तब सट्टेबाजी का धंधा इतने बड़े पैमाने पर फैलाया गया कि परिवारों के बर्बाद होने की खबरें आम हो गई थीं। इसका चस्का लगाने के लिए खास कर क्रिकेट मैचों को जरिया बनाया गया।

इसीलिए जब सरकार ने उस पर रोक लगाई, तो समाज के विवेकशील तबकों ने राहत महसूस की। ये अच्छी बात है कि उद्योग जगत की भारी लॉबिंग के बावजूद सरकार अपने इरादे पर अडिग रही है। तय नियमों के तहत जिन गेम्स में पैसे का लेन-देन होता है, उन पर रोक लगी रहेगी। इनमें पोकर, रमी, फैंटेसी स्पोर्ट्स और दांव लगाने से संबंधित गेम शामिल हैं। बाकी ई-स्पोर्ट्स को वैध प्रतिस्पर्धा माना गया है। ऐसे गेम्स को डेवलप करने और संचालित करने पर सामान्यतः कोई रोक नहीं होगी। अगर किसी मामले में सरकार को लगता है कि उस गेम के हानिकारक प्रभाव हो रहे हैं, तो उस पर जरूर रोक लगाई जा सकेगी।

इन पर निगरानी के लिए सूचना तकनीक मंत्रालय के तहत एक ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण बनाया जाएगा। ये सारे नियम सही दिशा में हैं। लेकिन इन नियमों के दायरे से बाहर रह गई एक बड़ी समस्या बच्चों और किशोरों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ी लत है। इसे कैसे नियंत्रित और अनुशासित किया जाए, इस चुनौती का सामना तमाम समाजों को करना पड़ रहा है। कुछ देशों में इसकी वैधानिक व्यवस्था की गई है, जिसमें इस रुझान को अनुशासित करने का दायित्व संचालक कंपनियों पर डाला गया है। भारत में इस दिशा में क्या किया जाए, यह महत्त्वपूर्ण सवाल है। लगे हाथ सरकार को इस बारे में भी चर्चा छेड़नी चाहिए थी। बहरहाल, अभी भी देर नही हुई है।

ब्लॉग

फिर कैसे मिले सुर मेरा-तुम्हारा

उमेश चतुर्वेदी

विधानसभा चुनावों में बड़े विपक्षी चेहरों की बड़ी नाकामी से विपक्षी खेमे में खलबली मच गई है। बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी की हार ने विपक्षी खेमे के उन दलों के माथे पर पसीने की बूंदें उभर आई हैं, जो इन चुनावों से बेपरवाह थे। केरल की गठबंधन सरकार में वापसी की वजह से कांग्रेस थोड़ी राहत में भले ही हो, लेकिन ज्यादातर क्षेत्रीय दलों को अपने अस्तित्व पर खतरा नजर आने लगा है। तमिलनाडु में सत्ता की चाहत में विपक्षी गठबंधन टूट भी चुका है। कांग्रेस के हाथ ने डीएमके का बरसों पुराना साथ छोड़ नवेली टीवीके का दामन थाम लिया है। दूसरी तरफ धांधली का आरोप लगाने के साथ ही ममता बनर्जी को विपक्षी एकता, खासकर इंडिया ब्लॉक की याद आने लगी है। अब उन्हें विपक्षी एकता मजबूत करने की याद भी आने लगी हैं।

दिलचस्प यह है कि अतीत में इंडिया ब्लॉक की एकता से बेपरवाह रहीं ममता को अब उसी की बहुत याद आने लगी है। वैसे विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की ओर से भी कम गलतियां नहीं हुई हैं। राहुल गांधी का पश्चिम बंगाल में बीजेपी की बढ़त के लिए ममता को खुलेआम जिम्मेदार ठहराना एक तरह से तृणमूल की ताबूत का कील ही साबित हुआ। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि विपक्षी एकता का विचार सिरे से परवान चढ़ सकता है ? अतीत में एकता को लेकर जिस तरह विपक्षी खेमे में एक-दूसरे को शह और मात देने का खेल चला है, उससे क्या मुकम्मल एकता की उम्मीद बचती है? 2024 के आम चुनावों के पहले विपक्षी राजनीति को एक मंच पर लाने और भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की कोशिश तो हुई, लेकिन आपसी टकराव और वर्चस्व के चलते यह हकीकत नहीं बन पाया। 23 जून 2023 को पटना में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई में विपक्षी क्षत्रपों की बैठक में इंडिया ब्लॉक बनाने का फैसला तो हुआ,लेकिन नेतृत्व के मुद्दे पर एक राय नहीं बन पाई। नीतीश कुमार ने खुलकर भले ही कभी नहीं कहा, लेकिन उनकी चाहत थी कि विपक्षी गठबंधन का संयोजक उन्हें बनाया जाय। लेकिन कांग्रेसी आलाकमान की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। दरअसल कांग्रेस विपक्षी राजनीति की लगाम खुद के हाथ में ही रखना चाहती है। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और एमके स्टालिन का साथ तो उसे चाहिए, लेकिन इनमें से किसी का भी नेतृत्व उसे गवारा नहीं। अपने पहले परिवार की पूरी स्वीकार्यता भले ही ना हो, लेकिन अगुआई कांग्रेस को ही चाहिए। यही वजह है कि विपक्षी राजनीति के सबसे ज्यादा स्वीकार्य चेहरा रहे नीतीश कुमार ने निराशा में उसी मोदी का हाथ थाम लिया, जिनसे वे दूर हो चुके थे। इसके बाद का इतिहास सबको पता है।

ममता को राजनीति में पहला बड़ा ब्रेक बेशक राजीव गांधी ने दिया, लेकिन वाममोर्चा के साथ राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेसी सहयोग ने उन्हें बाद के दिनों में गांधी-नेहरू परिवार से दूर कर दिया। हालिया हार के बावजूद अपनी संघर्षशीलता के चलते ममता विपक्षी राजनीति का अब भी बड़ा चेहरा हैं। उनकी अपनी छवि अक्सर राहुल गांधी पर भी भारी पड़ती है। इंडिया ब्लॉक के विचार के वक्त पूर्व कांग्रेसी होने के नाते ममता को पता था कि कांग्रेस अपने हाथ में नेतृत्व बनाए रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी, इसीलिए उन्होंने ही नीतीश कुमार और लालू यादव को पहली बैठक पटना में कराने का सुझाव दिया था। बाद के दिनों में कांग्रेस ने जैसी चाल चली, उससे विपक्षी एकता का राग बेसुरा हो गया। जिसका नतीजा लोकसभा चुनाव नतीजों में दिखा भी। विपक्ष को उसी वक्त चेतना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। असर यह हुआ कि हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने बाजी मार ली। बाकी कसर बीते विधानसभा चुनावों ने पूरी कर दी है। गौर करने की बात है कि जब भी सत्ता पक्ष के उफान में विपक्ष बह जाता है, उसकी एकता की छटपटाहट बढ़ जाती है। ज्यादातर यह अस्तित्व संकट टालने का यह फौरी उपाय होता है। तब वह हार के बाद वोटों के गुणा-गणित में जुट जाता है। फिर उसे इलहाम होता है कि अगर वह एक रहता तो वह भारी पड़ता। 1962 के आम चुनावों में नेहरू को फूलपुर की सीट पर सीधी चुनौती में हार मिलने के बाद लोहिया को भी कुछ ऐसा ही लगा। तब भारी उत्सुकता और उत्साह के बावजूद लोहिया हार गए थे। इसके बाद उन्होंने गैर कांग्रेसवाद का विचार दिया। तब कांग्रेस को 44 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट मिले थे। लोहिया को लगा कि विरोध में पड़े 56 प्रतिशत वोटों को अगर एक किया जाता तो नतीजे कुछ और होते। गैर कांग्रेसवाद के बैनर के तले उन्होंने 1963 के उपचुनावों और 1967 के आम चुनावों में इसे आजमाया। इसका असर यह हुआ कि आठ राज्यों से कांग्रेस की विदाई हो गई। तब से सत्ता में आने वाली पार्टी के खिलाफ बाकी विपक्ष की एकता के सुर उठने की परंपरा बन गई है। कभी यह कांग्रेस के खिलाफ होता था, जिसमें वाममोर्चा और जनसंघ- बीजेपी भी शामिल रहते थे, अब यह भाजपा के खिलाफ हो रहा है।

प. बगाल के बीते विधानसभा चुनाव में ममता को जहां करीब 42 प्रतिशत वोट मिला है, वहीं बीजेपी को करीब 46 प्रतिशत। कांग्रेस को 2.97 और वाममोर्चे को 4.45 प्रतिशत वोट मिले हैं। गैर बीजेपी वोटों को मिला दें तो यह आंकड़ा 49 प्रतिशत से ज्यादा हो जाता है। चुनावी राजनीति में सात प्रतिशत का अंतर बड़ा होता है। अब विपक्षी खेमे को लग रहा है कि अगर वे एक होते तो बीजेपी को ऐसी जीत नहीं मिलती। वैसे चुनावी गणित सामान्य गणित की तरह नहीं होता। 2018 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में कांग्रेस से बीजेपी को पांच लाख से ज्यादा वोट मिले थे, लेकिन सीटों के मामले में वह पिछड़ गई थी। चुनावी मैदान में जब सिर्फ दो खेमे होते हैं, तब मतदाताओं के बीच लंबवत ध्रुवीकरण हो जाता है। तब बिखराव वाले आंकड़े भी बदल जाते हैं। 2014 के संसदीय चुनाव में उत्तर प्रदेश में ऐसा साफ दिखा, जब बीजेपी सब पर भारी रही।

संसदीय चुनाव में सफलता के लिहाज से देखें तो कांग्रेस की 99 सीटों के बाद 37 सीटों के साथ समाजवादी पार्टी विपक्ष का दूसरा बड़ा दल है। तीसरे नंबर पर 29 सीटों के साथ ममता ही हैं। इंडिया ब्लॉक की पहली बैठक के पीछे ममता का भी विचार था, फिर भी ना तो लोकसभा और ना ही विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस या ब्लॉक के दूसरे दलों को तवज्जो दिया। तमिलनाडु में डीएमके के साथ कांग्रेस की खींचतान जारी रही। विपक्ष के किसी भी दल ने एकता की कीमत पर त्याग स्वीकार नहीं किया। विपक्षी खेमे का संकट यह है कि वह अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में सहयोगियों से हिस्सेदारी बांटना ही नहीं चाहता।

मजबूत एकता के लिए विपक्ष के पास राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य साफ छवि वाला चेहरा होना जरूरी है। लेकिन विपक्ष के पास ऐसा चेहरा है भी नहीं। ममता बड़ी नेता तो हैं, लेकिन उनकी तुनकमिजाजी उन्हें सर्वमान्य चेहरा मानने के राह की बड़ी बाधा है। राहुल मोदी-शाह की जोड़ी को चाहे जिस अंदाज में चुनौती दें, मोदी विरोधी बौद्धिकों को उनका यह अंदाज चाहे जितना भी पसंद हो, लेकिन आमजन को उनमें कई बार बचकानापन नजर आता है तो कई मर्तबा प्रहसन। स्टालिन चाहे जितनी अच्छी तमिल बोलें, लेकिन राष्ट्रीय स्तर स्वीकार्यता के लिए वे अयोग्य हैं। इसी तरह केजरीवाल के पास बड़ा आधार नहीं है। रही बात अखिलेश यादव की तो, वे भी जमीनी राजनीति के बजाय बयानों के गुब्बारे उड़ाने के उस्ताद होते गए हैं।

आपसी अहं के टकराव के चलते नीतीश विपक्षी खेमा छोड़ चुके हैं। दूसरी बड़ी नेता ममता को चुनावी मैदान में करारी शिकस्त मिल गई है। अखिलेश को भी अगले साल उत्तर प्रदेश के सियासी मैदान में बीजेपी से दो-दो हाथ करना है। बीजेपी की कोशिश उन्हें तीसरी बार शिकस्त देने की होगी। अगर वह ऐसा करने में कामयाब रही तो उसके सामने दूर-दूर तक कोई चुनौती नहीं होगी। ऐसे में विपक्षी खेमे का संकट बड़ा है। अतीत के विपक्षी व्यवहार से नहीं लगता कि शायद ही भविष्य में कोई मजबूत मोर्चा बन सके। खुलकर विपक्षी खेमा भले ही ना कहे, लेकिन अंदर ही अंदर वह जरूर गुनगुना रहा है, कैसे मिले सुर हमारा-तुम्हारा....

अफेयर के बाद दीदी के देवर संग तय हो गई थी शादी, फिर क्यों उसी के साथ फंदे से लटकी मिली किशोरी?

आर्यावर्त संवाददाता

गोंड। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के कटरा बाजार थाना क्षेत्र के नसीरपुर गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां गांव के बाहर बबूल के पेड़ पर एक ही रस्सी के सहारे फंदा लगाकर एक प्रेमी जोड़े ने आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान 15 वर्षीय किशोरी चांदनी और 17 वर्षीय युवक उमेश के रूप में हुई है, जो रिश्ते में जीजा-साली थे। पेड़ पर एक साथ दो शव लटके होने की सनसनीखेज खबर फैलते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

जानकारी के अनुसार, मृतका चांदनी की बड़ी बहन की शादी करीब छह साल पहले उमेश के बड़े भाई नरेश के साथ हुई थी। अपनी बहन के ससुराल आने-जाने के दौरान चांदनी की मुलाकात उमेश से हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच फोन पर बातचीत शुरू हुई और वे एक-दूसरे के बेहद करीब आ गए। पिछले एक साल से दोनों के बीच प्रेम संबंध चल रहा था। उमेश अपने तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था और खेती-किसानी के काम में हाथ बंटाता था।

परिजनों के मुताबिक, बुधवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे चांदनी यह कहकर घर से निकली थी कि वह शौच (टॉयलेट) के लिए जा रही है। जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटी, तो परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की। इसी बीच गांव के बाहर एक खेत में लगे बबूल के पेड़ पर चांदनी और उमेश के शव एक ही फंदे से लटके हुए मिले। ग्रामीणों के अनुसार, शव करीब चार घंटे तक पेड़ पर ही लटके रहे।'

परिजनों ने दी थी शादी की रजामंदी, फिर क्यों उठाया ये कदम?

पुलिस और परिजनों की मानें तो शुरुआती दौर में परिवार ने इस रिश्ते का कड़ा विरोध किया था, लेकिन बाद में वे दोनों की शादी के लिए तैयार हो गए थे। मृतका की मां ने बताया कि उन्होंने चांदनी को भरोसा दिलाया था कि अगले साल उसकी शादी उमेश से ही कर दी जाएगी। वहीं मृतका के पिता का कहना था कि परिवार पहले बड़े बेटे की शादी करना चाहता था, जिसके तुरंत बाद उमेश और चांदनी का विवाह तय था। जब दोनों की शादी की बात पक्की हो चुकी थी, तो उन्होंने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, यह रहस्य बना हुआ है।

फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही कटरा बाजार थाने की पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाकर घटनास्थल की गहन जांच कराई। पुलिस को शवों के पास से एक कीपैड वाला मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है, क्योंकि दोनों एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल नहीं करते थे। करनैलगंज के क्षेत्राधिकारी (सीओ) अभिषेक दवच्चा ने बताया कि पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि आत्महत्या के असली कारणों का पता लगाया जा सके।

पत्नी ने सुबह नींद से जगाया तो पति को आया गुस्सा, गोली मारकर कर ली आत्महत्या

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश में हाथरस जिले के सिकंदराराऊ में एक 35 वर्षीय व्यक्ति ने सुबह के समय जगाने को लेकर पत्नी से हुए झगड़े के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, घटना सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र के रामपुर बट्टारी गांव की है। जानकारी के मुताबिक पति ने सुबह नींद से उठाने की बात पर नाराज होकर मौत को गले लगा लिया।

दरअसल, सुबह पत्नी ने बच्चों के स्कूल जाने के बाद पति को उठाया, जिस पर वह नाराज हो गया और दोनों के बीच बहस हो गई। पत्नी ने बाद में उसे रोज की तरह चाय दी, लेकिन वह गुस्से में अपने कमरे में गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने बताई कहानी

पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का ही प्रतीत हो रहा है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अमित पाठक ने बताया कि सुबह करीब 8:45 बजे उसने कमरे में रखे देसी तमंचे से खुद को सिर में गोली मार ली। पाठक ने बताया कि गोली चलने की आवाज सुनकर उसकी पत्नी और मोहल्ले के कुछ लोगों ने कमरे का दरवाजा खोला तो अंदर बिस्तर पर लालू का खून से लथपथ शव मिला। पत्नी ने पुलिस को बताया कि उसे अंदाजा नहीं था कि इतनी छोटी बात इतना बड़ा रूप ले लेगी। दोनों की शादी करीब सात साल पहले हुई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

पाँच महीने से वेतन नहीं, अब सड़क पर उतरे एनएचएम डॉक्टर

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत जिला अस्पताल में कार्यरत डॉक्टरों का सब्र आखिरकार जवाब दे गया। पिछले पांच महीने से वेतन न मिलने से नाराज डॉक्टरों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। प्रदर्शन के दौरान डॉक्टरों ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को मांग पत्र सौंपते हुए लंबित वेतन का तत्काल भुगतान कराने की मांग की।

इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर समेत विभिन्न पदों पर तैनात डॉक्टरों का आरोप है कि वे लगातार अपनी सेवाएं पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से दे रहे हैं, लेकिन प्रशासन उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर रहा है। डॉक्टरों ने कहा कि कई महीनों से वेतन न मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट गहरा गया है और परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। डॉक्टरों का कहना है कि इस मामले को लेकर कई बार मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में मौखिक और लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन हर बार केवल आश्वासन देकर मामला टाल दिया गया। किसी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उनका कहना है कि एक ओर सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की बात करती है, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्यकर्मियों को महीनों तक वेतन से वंचित रखा जा रहा है। मांग पत्र सौंपने वालों में डॉ. फिजू देसाई, डॉ. अमित शर्मा, डॉ. शिव कुमार, डॉ. रोहित कुमार विश्वकर्मा, डॉ. फैज मोहम्मद, डॉ. देवाशीष मिश्रा, डॉ. मृदुल त्रिपाठी और डॉ. दिग्विजय सिंह शामिल रहे।

मारपीट को लेकर डॉक्टर और वकील आमने-सामने

प्रयागराज। प्रयागराज में डॉक्टरों और वकीलों के बीच मारपीट का मामला तूल पकड़ रहा है। दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं। वकील एकलव्य चौराहे पर टेंट लगाकर धरने पर बैठे हैं। वहीं एसआरएन अस्पताल के डॉक्टरों ने ओपीडी बंद कर हड़ताल पर चले गए हैं। इस हंगामे के बाद बुधवार दोपहर बाद अस्पताल के डॉक्टरों ने ठप स्वास्थ्य सेवाएं बहाल कर दी थीं, लेकिन रात में वकीलों की तरफ से अज्ञात डॉक्टरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के बाद चिकित्सक फिर से भड़क उठे।

डॉक्टरों की हड़ताल के कारण गंभीर मरीजों को परेशानी हो रही है। वकीलों के धरना के कारण हाईवे पर जाम लग रहा है। एंबुलेंस भी जाम में फंसी दिखी। वहीं जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में सभी सीनियर्स डॉक्टर भी आ गए हैं। ज्ञात हो कि बुधवार सुबह एक घायल महिला अधिवक्ता अस्पताल पहुंची थी। इलाज के दौरान डॉक्टरों और वकीलों में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ा तो दोनों पक्षों में मारपीट हुई।

पैसे के आगे रिश्ते भी फेल! 25 लाख मिलते ही छोड़े पत्नी और बेटा, प्रेमिका संग फुर्र हुआ पति, Insta पर डाल रहा फोटो

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। झांसी के रक्सा थाना क्षेत्र के इमलिया गांव से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण यानिकी बीडा से मुआवजे की रकम मिलने के बाद एक युवक अपनी कथित प्रेमिका के साथ लापता हो गया। पिछले करीब एक सप्ताह से दोनों का कोई सुराग नहीं लगने पर युवक की पत्नी ने थाने पहुंचकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और दोनों की तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं।

दरअसल, इमलिया गांव निवासी रुचि परिहार ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके ससुर धनीराम की करीब पांच एकड़ जमीन बीडा द्वारा अधिग्रहित की गई थी। इसके बदले परिवार को लगभग एक करोड़ रुपये का मुआवजा मिला, जिसे तीनों बेटों में बांट दिया गया। रुचि ने बताया कि उसके पति नीलेश के हिस्से में करीब 25 लाख रुपये आए थे। पत्नी का आरोप है कि मुआवजे की रकम मिलने के बाद उसके पति के व्यवहार में अचानक बदलाव आ गया। पहले छोटा-मोटा काम कर परिवार का पालन-पोषण करने वाला नीलेश अब रहन-सहन और जीवनशैली में काफी बदलाव दिखाने लगा। इसी दौरान गांव की एक युवती से उसके संबंध भी गहरे हो गए। रुचि ने बताया कि पति ने उससे दूरी बना ली और साथ रहने से भी इनकार कर दिया।

रुचि ने बताया कि आठ साल के वैवाहिक जीवन और छह साल के बेटे के बावजूद उसका परिवार टूट गया। कुछ दिन पहले उसका पति कथित प्रेमिका के साथ घर छोड़कर चला गया और तब से दोनों का कोई पता नहीं चल पाया है। पति के अचानक गायब होने से वह अपने छोटे बेटे के साथ अकेली रह गई है और अब उसके भविष्य को लेकर चिंतित है।

ग्रामीणों का कहना है कि बीडा के तहत मिलने वाली बड़ी मुआवजा राशि ने कई परिवारों की जिंदगी बदली है, लेकिन कुछ मामलों में यह रकम रिश्तों में दरार और पारिवारिक विवाद की वजह भी बन रही है। अचानक आई आर्थिक समृद्धि कई घरों में तनाव पैदा कर रही है। इस मामले में रक्सा थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि महिला थाने आई थी। लेकिन अभी तक कोई लिखित शिकायत महिला की ओर से नहीं दी गई, यदि प्रार्थना पत्र आता है तो कार्रवाई की जाएगी।

डीएम-एसपी की मौजूदगी में सर्राफा कारोबारियों की बैठक संपन्न

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। नरेन्द्र मोदी द्वारा सोने की खरीद को लेकर की गई अपील के बाद उत्पन्न परिस्थितियों में समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सुल्तानपुर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह एवं पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में सर्राफा कारोबारियों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के साथ जीएसटी विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान आल इंडिया सर्राफा व्यापार मंडल एवं सुल्तानपुर सर्राफा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों समेत दर्जनों सर्राफा व्यापारियों ने भाग लिया। सर्राफा व्यापारियों ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक मांग पत्र जिलाधिकारी को सौंपते हुए सोने पर लगाए गए भारी आयात शुल्क में कमी करने की मांग उठाई। साथ ही त्योहारों एवं उत्सवों के अवसर पर स्वर्ण आभूषणों की खरीद-बिक्री को सुचारु रूप से जारी रखने की बात कही गई। व्यापारियों ने 9 व 14 कैरेट की ज्वेलरी को बाजार में उतारने के लिए मान्यता दिए जाने का आश्वासन भी मांगा। बैठक में आम ग्राहकों एवं व्यापारियों के बीच उत्पन्न भ्रम की स्थिति को स्पष्ट किया गया। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने सर्राफा कारोबारियों की सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए कहा कि व्यापारी निर्भीक होकर अपना व्यवसाय करें। उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन हर समय सहयोग के लिए तत्पर रहेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी मोबाइल फोन के माध्यम से भी अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं तथा व्यापार की उन्नति को लेकर आपसी चर्चा भी की जा सकती है। बैठक में ऑल इंडिया सराफा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष देबी प्रसाद सोनी सहित कई सर्राफा व्यापारी मौजूद रहे।

10 दिन से फोन-मैसेज कर रहा था लॉज मालिक का बेटा... रिप्लाई नहीं करने पर रात को कमरे में घुसा

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहीं दो छात्राओं के साथ मारपीट और उत्पीड़न का मामला सामने आया है। घटना शिवकुटी थाना क्षेत्र के शंकर घाट इलाके की है, जहां लॉज में रहने वाली छात्राओं ने लॉज मालिक के बेटे पर बदसलूकी, मारपीट और जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया।

पीड़ित 27 वर्षीय छात्रा अमेठी की रहने वाली है और प्रयागराज में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। छात्रा ने हाल ही में एसएससी जूनियर असिस्टेंट की परीक्षा पास की है। आरोप है कि पिछले करीब 10 दिनों से लॉज मालिक का बेटा शुभम द्विवेदी लगातार छात्रा को फोन और मैसेज कर परेशान कर रहा था। छात्रा का कहना है कि शुभम उस पर गंदी नजर रखता था और लगातार संपर्क करने की कोशिश करता था।

बाहर से बंद कर दिया छात्रा का कमरा

पीड़िता के मुताबिक 18 मई की रात शुभम ने कई बार फोन कॉल और मैसेज किए, लेकिन जवाब नहीं मिलने पर वह रात करीब 2 बजे छात्रा के कमरे के बाहर पहुंच गया और दरवाजा पीटने लगा। जब दरवाजा नहीं खोला गया तो उसने बाहर से कुंडी लगा दी। इसके बाद छात्रा ने बगल में रहने वाली दूसरी छात्रा को मदद के लिए फोन किया। वायरल वीडियो में लॉज मालिक का बेटा छात्राओं का बाल पकड़कर पिटाई करते दिख रहा है। छात्राओं का आरोप है कि वह शराब के नशे में था। आरोप है कि शुभम ने दूसरी छात्रा और उसकी बहन के कमरे का दरवाजा भी बाहर से बंद कर दिया। छात्राओं के शोर मचाने पर शुभम की मां मौके पर पहुंचीं और दरवाजा खुलवाया। इसके बाद विवाद बढ़ गया और शुभम ने गाली-गलौज करते हुए छात्राओं के साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़िताओं का आरोप है कि वह किचन से चाकू लेकर आया और हमला करने की कोशिश की। इतना ही नहीं, पुलिस के पहुंचने के बाद भी उसने टूटे हुए गिलास से हमला किया और जान से मारने की धमकी दी।

आरोपी गिरफ्तार, मिली जमानत

छात्राओं की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी शुभम द्विवेदी को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को कोर्ट से जमानत मिल गई। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

अमहट मंडी में सफाई व्यवस्था की लापरवाही से लगी आग, आढ़ती का हजारों का नुकसान

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। अमहट मंडी में सफाई व्यवस्था की अनदेखी एक व्यापारी के लिए भारी पड़ गई। मंडी परिसर में पड़े कूड़े के ढेर में लगी आग पास की दुकान तक पहुंच गई, जिससे एक आढ़ती का हजारों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। घटना के बाद व्यापारियों में रोष व्याप्त है और उन्होंने मंडी प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई है। जानकारी के अनुसार, मंडी में पहले सफाई कर्मचारी नियमित रूप से कूड़ा इकट्ठा कर उसे जलाने का काम करते थे, लेकिन पिछले कुछ समय से यह व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ी थी। इसी लापरवाही के चलते कूड़े के ढेर में आग लग गई, जो फैलते हुए 'सुनील एंड संस' नामक दुकान तक पहुंच गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आग लगने से दुकान में रखा इलेक्ट्रॉनिक कांटा, कई बोरे आलू और टमाटर जल गए। व्यापारी के अनुसार, इस घटना में उन्हें 25 हजार रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। व्यापारियों का आरोप है कि मंडी परिसर में लंबे समय से कूड़े के ढेर जमा हो रहे थे, जिसकी शिकायत कई बार सफाई कर्मचारियों और मंडी समिति के पंकज बाबू से की गई थी। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। प्रभावित व्यापारी ने कहा कि यदि समय रहते सफाई कराई जाती तो यह घटना नहीं होती। घटना के बाद मंडी के व्यापारियों और किसानों ने मंडी समिति तथा जिला प्रशासन से सफाई व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की है। साथ ही सफाई ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग भी उठाई है।

शेर को भी गर्मी लगती है! सफारी पार्क में जंगल के राजा के लिए लगा एसी, भालू के लिए कूलर

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। उत्तर प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी का असर अब इंसानों के साथ-साथ वन्य जीवों पर भी दिखाई देने लगा है। ऐसे में इटावा सफारी पार्क में वन्य जीवों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। बुधवार को इटावा जिले का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विभाग ने गुरुवार और शुक्रवार के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया है और हीटवेव की चेतावनी जारी की है। ऐसे में इटावा सफारी पार्क प्रशासन ने वन्य जीवों को लू और गर्मी से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं।

बब्बर शेरों के नाइट सेल में खस की चटाई और डेजर्ट कूलर लगाए गए हैं। ब्रीडिंग सेंटर में शेरनी और शावकों के लिए एयर कंडीशनर चलाए जा रहे हैं। सफारी क्षेत्र में फॉगर और शॉवर सिस्टम से तापमान कम किया जा रहा है, जबकि भालू और लेपर्ड हाउस में कूलर लगाए गए हैं। गर्मी को देखते हुए सफारी का समय भी बदल दिया गया है और अब पर्यटकों के लिए सुबह 6:30 बजे से पार खोला जा रहा है।

शेरों के लिए विशेष कूलिंग सिस्टम

भीषण गर्मी को देखते हुए सफारी पार्क प्रशासन ने सबसे पहले बब्बर शेरों की सुरक्षा और आराम पर ध्यान दिया है। शेरों के नाइट सेल में खस की चटाई लगाई गई है, ताकि हवा ठंडी बनी रहे। इसके साथ ही डेजर्ट कूलर भी लगाए गए हैं, जिससे तापमान सामान्य रखा जा सके। सफारी के ब्रीडिंग सेंटर में मौजूद शेरनी और छोटे शावकों के लिए एयर कंडीशनर की व्यवस्था की गई है। खास तौर पर बुजुर्ग शेरों को लू से बचाने के लिए उनके आसपास नमी बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

फॉगर और शॉवर से घटाया जा रहा तापमान

सफारी पार्क के उप निदेशक विनय सिंह ने बताया कि सफारी क्षेत्र में लगातार फॉगर और शॉवर सिस्टम चलाए जा रहे हैं। इससे वातावरण का तापमान कम रखने में मदद मिल रही है। उन्होंने बताया कि भालू और लेपर्ड हाउस में भी कूलर लगाए गए हैं ताकि जानवरों को तेज धूप और गर्म हवाओं से राहत मिल सके। सफारी प्रशासन की टीमें लगातार सभी वन्य जीवों की निगरानी कर रही हैं और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

हिरणों के तालाबों में लगातार भरा जा रहा पानी

गर्मी के मौसम में पानी की कमी न हो, इसके लिए हिरणों और अन्य शाकाहारी वन्य जीवों के लिए बने तालाबों में लगातार ट्यूबवेल से पानी भरा जा रहा है। सफारी प्रशासन का कहना है कि जानवरों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसके अलावा वन्य जीवों के खानपान और स्वास्थ्य की भी नियमित जांच की जा रही है ताकि गर्मी का असर कम से कम हो।

रेड अलर्ट के बीच बदला सफारी का समय

मौसम विभाग की ओर से अगले दो दिनों तक रेड अलर्ट जारी किए जाने के बाद सफारी पार्क प्रशासन ने पर्यटकों के लिए सफारी का समय भी बदल दिया है। अब सफारी सुबह 6:30 बजे से खोली जा रही है ताकि लोग दोपहर की तेज धूप और लू से बच सकें। अधिकारियों का कहना है कि अगर गर्मी का प्रकोप इसी तरह जारी रहा तो आगे भी अतिरिक्त इंतजाम किए जाएंगे। सफारी प्रशासन लगातार मौसम की स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

जिम्मेदार अधिकारियों के संरक्षण में प्राइवेट कर्मियों का बोलबाला

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील कार्यालय में प्राइवेट कर्मियों के बढ़ते दखल और कथित अवैध वसूली को लेकर अधिवक्ताओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। न्यू अवध बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज सिंह ने बुधवार को जिलाधिकारी सुलतानपुर को आनलाईन शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि एसडीएम कार्यालय के बगल स्थित विश्राम कक्ष प्राइवेट कर्मियों का अड्डा बन चुका है, जहां से आदेश गतिमान पत्रावलियों में अवैध वसूली का खेल संचालित किया जा रहा है।

शिकायत पत्र में कहा गया है कि सरकारी कार्यों में बाहरी लोगों की दखलंदाजी लगातार बढ़ रही है। आरोप है कि आदेश पत्रावलियों में गलत आदेश टाइप कराने तथा फाइलों को आगे बढ़ाने के नाम पर खुलेआम धन उगाही की जा रही है। इससे आम फरियादियों और अधिवक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज सिंह ने पत्र में आरोप लगाया है कि बल्दीराय तहसील प्रशासन की जानकारी के बावजूद प्राइवेट कर्मियों का हस्तक्षेप नहीं रुक रहा, जिससे न्यायिक और प्रशासनिक प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आरोप है एसडीएम कार्यालय में गैर जनपद का अधिवक्ता वृज किशोर बर्मा एसडीएम के संरक्षण में कार्यालय के महत्वपूर्ण पद पर आसीन होकर अधिवक्ताओ को तरह तरह की धमकी देकर अपना रुतवा जमाए हुए है। आरोप है कि अहलमद पद पर राकेश कुमार की नियुक्ति हुई है लेकिन यह कभी न्यायालय नहीं आया बल्कि जिम्मेदार अधिकारी की शह पर बिना किसी सक्षम अधिकारी के आदेश के ही तहसील में यह राजस्व लिपिक (माल बाबू) का कार्य देख रहा है यही नही तहसील के जिम्मेदार अधिकारी ने अपने चहेते प्राईवेट कर्मी व अधिवक्ता वृज किशोर बर्मा को न्यायालय के अहलमद पद पर रख कर शासन के सारे नियम कानून की खुले आम धज्जिया उड़ा रहे है।

बल्दीराय तहसील में प्राइवेट कर्मियों की शिकायत कोई नई नहीं है बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा इसके पूर्व भी कई बार शिकायत उच्च अधिकारियों से की थी लेकिन आज तक शिकायत को नजर अंदाज कर दिया गया न तो आरोप की जांच हुई और ना ही कोई कार्यवाही इस बार शिकायतकर्ता न्यू न्यू अवध बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज सिंह ने जिलाधिकारी सुल्तानपुर के ऊपर भरोसा जताते हुए सारे मामले की ऑनलाइन शिकायत की है।

हरी पत्तेदार सब्जियों को इस तरह से करें स्टोर, लंबे समय तक रहेंगी ताजी

हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी और धनिया हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। इनका सेवन विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होता है। हालांकि, इन्हें सही तरीके से स्टोर न करने पर जल्दी खराब हो जाती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन सब्जियों को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप अपनी हरी पत्तेदार सब्जियों का पूरा आनंद ले सकते हैं।

पानी में धोकर सुखाएं

हरी पत्तेदार सब्जियों को खरीदने के बाद सबसे पहले इन्हें अच्छे से धो लें। इसके लिए एक बर्तन में पानी लें और उसमें थोड़ा सा सिरका मिलाएं, फिर इन सब्जियों को 5-10 मिनट तक इस घोल में भिगोकर रखें। इसके बाद इन्हें साफ पानी से धोकर छान लें। इसके बाद इन सब्जियों को एक सूखे कपड़े पर फैलाकर धूप में सुखाएं। इससे इनकी नमी कम होगी और वे जल्दी खराब नहीं होंगी।

प्लास्टिक थैली का करें इस्तेमाल

धोने के बाद हरी पत्तेदार सब्जियों को प्लास्टिक की थैली में रखना एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए एक साफ प्लास्टिक की थैली लें और उसमें सूखी हुई सब्जियों को डालें, फिर थैली को हल्का सा बंद करके हवा निकाल दें। अब इस थैली को फ्रिज में रखें। इससे सब्जियां ताजा रहेंगी और जल्दी खराब नहीं होंगी। ध्यान रखें कि थैली बहुत ज्यादा भरी न हो ताकि सब्जियों को हवा मिलती रहे।

अखबार में लपेटें

अगर आपके पास अखबार हो तो आप हरी पत्तेदार सब्जियों को उसमें लपेटकर भी रख सकते हैं। इसके लिए एक या दो पन्ने लेकर उसमें सब्जियों को अच्छे से लपेटें, फिर इन्हें किसी ठंडी जगह पर रखें जैसे कि फ्रिज का निचला हिस्सा या कूलर। इससे सब्जियां ताजा रहेंगी और जल्दी खराब नहीं होंगी। ध्यान रखें कि अखबार बहुत गीला न हो ताकि सब्जियों पर पानी न पड़े।

हवा बंद डिब्बे का करें उपयोग

अगर आप हवा बंद डिब्बे का उपयोग करते हैं, तो यह भी एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक साफ हवा बंद डिब्बा लें और उसमें सूखी हुई सब्जियों को रखें, फिर डिब्बे को बंद करके फ्रिज में रखें। इससे सब्जियां ताजी रहेंगी और उनमें कोई गंदगी नहीं आएगी। इस तरीके से आप अपनी हरी पत्तेदार सब्जियों को लंबे समय तक रख सकते हैं और उनका पूरा आनंद ले सकते हैं।

सूखे कपड़े का इस्तेमाल करें

हरी पत्तेदार सब्जियों को स्टोर करते समय सूखे कपड़े का उपयोग करना भी फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक सूखा कपड़ा लें और उसमें सब्जियों को अच्छे से ढक दें, फिर इस कपड़े को किसी ठंडी जगह पर रखें जैसे कि फ्रिज का निचला हिस्सा या कूलर। इससे सब्जियां ताजी रहेंगी और जल्दी खराब नहीं होंगी। ध्यान रखें कि कपड़ा बहुत गीला न हो ताकि सब्जियों पर पानी न पड़े।

पहली बार करने जा रहे एडवेंचर स्पोर्ट्स, इन बातों का रखें ध्यान

क्या आपको भी एडवेंचर करना पसंद है और आप भी पहली बार एडवेंचर स्पॉर्ट्स का एक्सपीरियंस लेना चाहते हैं। अगर हां...तो ये आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको पहली बार एडवेंचर एक्विटिटी करने से पहले की कुछ जरूरी बातें बताने जा रहे हैं।

एडवेंचर लवर्स लोगों के मन में एडवेंचर स्पॉर्ट्स का नाम सुनते ही एक्साइटमेंट जग जाती है। पैराग्लाइडिंग हो, रिवर राफ्टिंग, बंजी जंपिंग या ट्रेकिंग...ये एक्टिविटीज़ ना सिर्फ आपको नेचर के करीब ले जाती हैं, बल्कि जिंदगी में एक अलग ही एक्सपीरियंस कराती हैं। हालांकि, एडवेंचर करना हर किसी के बस की बात नहीं होती है। लेकिन आजकल ये एक्विटी काफी ज्यादा पॉपुलर हो रही हैं और कई लोग अब अपने डर का सामना करते हुए इन्हें करने की इच्छा जगा रहे हैं। खासकर गर्मियों और छुट्टियों के मौसम में लोग एडवेंचर स्पोर्ट्स को अपनी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करते हैं।

लेकिन जितना मजेदार ये अनुभव होता है, उतना ही जरूरी इसमें सुरक्षा और सही तैयारी का ध्यान रखना भी होता है। अगर आप पहली बार किसी एडवेंचर स्पोर्ट्स को ट्राई करने जा रहे हैं, तो सिर्फ उत्साह में आकर फैसला लेना सही नहीं होता। अपनी फिटनेस, मौसम, लोकेशन और सेफ्टी गाइडलाइंस जैसी चीजों को पहले समझना बेहद जरूरी है। चलिए इस आर्टिकल में आपको भी बताते हैं पहली बार एडवेंचर करने से पहले किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

बिना ट्रेनिंग या जानकारी के शुरुआत करना

अगर आप पहली बार एडवेंचर एक्टिविटी करने जा रहे हैं जो बिना जानकारी के उसमे हिस्सा लेने से बचें। फिर चाहे वो पैराग्लाइडिंग, रिवर राफ्टिंग, बंजी जंपिंग या स्कूबा डाइविंग हो। क्योंकि हर एक्टिविटी के अपने नियम और सुरक्षा तकनीकें होती हैं। पहले बेसिक ट्रेनिंग लें, इंस्ट्रक्टर की बात ध्यान से सुनें और हर स्टेप को समझने के बाद ही शुरुआत करें।

सेफ्टी गियर को हल्के में लेना

कुछ लोग इतने ज्यादा निडर होते हैं कि वो सेफ्टी गियर जैसी चीजों को हल्के में लेने लगते हैं, जो की सबसे बड़ी गलती होती है। जैसे हेलमेट न पहनना, लाइफ जैकेट न पहनना या फिर नी पैड या हार्नेस नजरअंदाज करना। जबकि यही आपकी सुरक्षा की सबसे बड़ी ढाल होते हैं। एडवेंचर स्पोर्ट्स के दौरान हमेशा अच्छी क्वालिटी के सेफ्टी गियर पहनें और यह भी चेक कर लें कि वे सही तरीके से फिट हैं या नहीं। छोटी सी लापरवाही बड़ा हादसा बन सकती है।

अपनी फिटनेस और हेल्थ को नजरअंदाज करना

अगर आपको सांस, दिल, ब्लड प्रेशर या कमजोरी जैसी कोई समस्या है तो एडवेंचर स्पोर्ट्स करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। कई बार लोग अपनी क्षमता से ज्यादा कठिन एक्टिविटी चुन लेते हैं, जिससे चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। शुरुआत हमेशा आसान लेवल से करें और शरीर पर ज्यादा दबाव न डालें।

मौसम और जगह की जानकारी न लेना

एडवेंचर स्पोर्ट्स में मौसम बहुत अहम भूमिका निभाता है, खराब मौसम, तेज हवा या बारिश के दौरान कई एक्टिविटीज खतरनाक हो सकती हैं। इसलिए जिस जगह जा रहे हैं वहां का मौसम, सुरक्षा रिकॉर्ड पहले से जांच लें। सही समय और सुरक्षित लोकेशन चुनना बेहद जरूरी है।

जरूरत से ज्यादा कॉन्फिडेंस दिखाना

पहली बार एडवेंचर स्पोर्ट्स करते समय ओवरकॉन्फिडेंस सबसे बड़ी गलती बन सकता है। सोशल मीडिया वीडियो देखकर स्टंट कॉपी करने की कोशिश न करें। इंस्ट्रक्टर के निर्देशों का पालन करें, जल्दबाजी न करें और अपनी सीमाओं को समझें।

घर पर पेडिक्योर करते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

पेडिक्योर एक आरामदायक और ताजगी भरा अनुभव है, जो पैरों की देखभाल करने में मदद करता है। हालांकि, घर पर पेडिक्योर करते समय अक्सर कुछ गलतियां हो जाती हैं, जो त्वचा और नाखूनों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपका पेडिक्योर अनुभव बेहतर हो और आपके पैर स्वस्थ रहें।

बहुत गर्म पानी का उपयोग न करें

पेडिक्योर करते समय गर्म पानी का इस्तेमाल करना आम बात है क्योंकि इससे त्वचा मुलायम हो जाती है। हालांकि, बहुत ज्यादा गर्म पानी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। यह त्वचा की नमी छीन लेता है और उसे सूखा बना सकता है। इसके अलावा गर्म पानी से पैरों में खून का बहाव बढ़ता है, जिससे सूजन और दर्द हो सकता है। इसलिए हमेशा हल्के गर्म पानी का ही इस्तेमाल करें।

नाखून के पास की त्वचा को न काटें

नाखून के पास की पतली परत को काटना गलत है क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और नाखून कमजोर हो सकते हैं। इसे काटने की बजाय नरम करने के लिए हल्के गर्म पानी में थोड़ा सा तेल मिलाकर उसमें पैर डालें। इससे यह परत आसानी से पीछे हट जाएगी और नाखून सुरक्षित रहेंगे। इस तरीके से आप बिना किसी खतरे के अपने नाखूनों की देखभाल कर सकते हैं।

त्वचा की स्क्रबिंग समय सावधानी बरतें

त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने का एक अच्छा तरीका है, लेकिन इसे अधिक करने से त्वचा में जलन हो सकती है, खासकर अगर आप कठोर स्क्रब्स का उपयोग करते हैं तो इससे त्वचा में खुजली और लालिमा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप मुलायम स्क्रब्स का उपयोग करें और हल्के हाथों से रगड़ें ताकि त्वचा को कोई नुकसान न पहुंचे। इससे आपकी त्वचा ताजगी भरी रहेगी और स्वस्थ भी बनी रहेगी।

नेल पॉलिश लगाने से पहले बेस कोट लगाएं

जब आप अपने पैरों पर नेल पॉलिश लगाते हैं तो भूल से भी बेस कोट न लगाएं। बेस कोट लगाने से पहले अगर आप सीधे नेल पॉलिश लगाते हैं तो वह जल्दी खराब हो जाती है और आपके नाखून भी खराब दिखते हैं। बेस कोट लगाने से नाखून मजबूत रहते हैं और पॉलिश लंबे समय तक बनी रहती है। इससे आपके पैरों की सुंदरता बढ़ती है और आपको एक बेहतरीन लुक मिलता है।

सही पैर की मालिश तकनीक अपनाएं

पैर की मालिश करते समय अक्सर लोग गलत जगह दबाव डाल देते हैं जिससे दर्द हो सकता है या चोट लग सकती है। सही जगह दबाव डालना जरूरी होता है जैसे तलवे के बीच वाले हिस्से पर हल्का दबाव डालें और एड़ी पर भी ध्यान दें। इसके अलावा अंगूठों की जड़ पर हल्का दबाव डालें ताकि खून का बहाव बेहतर हो सके। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपने पैरों की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

बार-बार गिर जाती हैं आपकी नकली आईलैशेस?

नकली आईलैशेस का इस्तेमाल पलकों को घना और आकर्षक बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, कई बार महिलाएं इस समस्या का सामना करती हैं कि उनकी नकली आईलैशेस बार-बार गिर जाती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इस लेख में हम कुछ प्रमुख कारणों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आपकी नकली आईलैशेस बार-बार गिर सकती हैं। इन्हें जानकर आप आगे से सावधानी बरत सकेंगी और सुंदर दिख सकेंगी।

गलत गोंद का इस्तेमाल

नकली आईलैशेस लगाने के लिए सही गोंद का चयन बहुत जरूरी है। अगर आप सस्ती और घटिया गुणवत्ता की गोंद का इस्तेमाल करेंगी तो आपकी फेक आईलैशेस जल्दी गिर सकती हैं। हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाली गोंद का चयन करें, जो लंबे समय तक टिक सके। इसके अलावा गोंद को सही मात्रा में लगाना भी जरूरी है, ताकि आपकी नकली आईलैशेस अच्छी तरह से चिपकी रहें और जल्दी न गिरें। गोंद को हमेशा आईलैश पर ही लगाएं।

सही तरीके से लगाना

नकली आईलैशेस को सही तरीके से लगाने पर उनका टिकना आसान होता है। अगर आप उन्हें सही जगह पर नहीं लगाती हैं या बहुत ज्यादा गोंद लगाती हैं तो वे जल्दी गिर सकती हैं। इसलिए, हमेशा ध्यान रखें कि नकली आईलैशेस को सही जगह पर और सही मात्रा में गोंद लगाकर लगाएं, ताकि वे अच्छी तरह से चिपकी रहें। इसके अलावा आईलैशेस को लगाने से पहले अपनी आंखों को साफ और सूखा रखें, ताकि गोंद बेहतर तरीके से चिपके।

हटाते समय ध्यान रखें

नकली आईलैशेस को हटाते समय भी सावधानी बरतनी चाहिए। अगर आप उन्हें जोर-जोर से खींचती हैं तो इससे आपकी असली आईलैशेस भी प्रभावित हो सकती हैं और आपकी नकली आईलैशेस भी टूट सकती हैं। इसलिए, हमेशा धीरे-धीरे और ध्यानपूर्वक फेक आईलैशेस को हटाएं। इसके अलावा आप आईलैशेस हटाने के लिए खासतौर पर बनाए गए प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर सकती हैं, जो उन्हें आसानी से हटाने में मदद करेंगे और आपकी असली आईलैशेस को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

मौसम का असर

मौसम का भी आपकी नकली आईलैशेस पर असर पड़ सकता है। गरमी या बारिश होने पर पसीना या नमी के कारण गोंद कमजोर हो सकती है, जिससे आपकी नकली आईलैशेस गिर सकती हैं। इसलिए, मौसम के अनुसार अपने मेकअप रूटीन में बदलाव करें और जरूरत पड़ने पर गोंद को फिर से लगाएं। इसके अलावा बारिश के दिनों में पानी से बचाव करने वाली गोंद का इस्तेमाल करें, ताकि आपकी नकली आईलैशेस लंबे समय तक टिकी रहें और गिरें नहीं।

सफाई का ख्याल रखें

आंखों की सफाई बहुत जरूरी होती है। अगर आपकी आंखें गंदी होंगी या उन पर ज्यादा नमी होगी तो नकली आईलैशेस अच्छे से चिपक नहीं पाएंगी और जल्दी गिर सकती हैं। इसलिए, अपनी आंखों को अच्छी तरह से साफ करें और उन पर तेल या गंदगी न रहने दें। इसके अलावा आप आईलैशेस लगाने से पहले आखों पर हल्का-सा पाउडर लगा सकती हैं, ताकि वे बेहतर तरीके से चिपके रहें और जल्दी न गिरें।

बिजली बिल का डर ! चिलचिलाती गर्मी में भी कूलर-पंखा बंद रखने को मजबूर है गरीब

देश में गर्मी का पारा लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। दुनिया के सबसे गर्म शहरों में शुमार नागपुर तथा इसके आसपास के इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। इस भीषण गर्मी के बीच बिजली ग्रिड को ठप होने से बचाने के लिए बड़े-बड़े कूलिंग सिस्टम और पंखे लगाए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचा तो मजबूत हो रहा है, लेकिन इसका जो वित्तीय बोझ आम जनता पर आ रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। बिजली की बढ़ती कीमतें अब मध्यम और लोअर इनकम ग्रुप के परिवारों के बजट पर भारी पड़ने लगी हैं, जिससे लोग चाहकर भी कूलर या पंखे का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत लेकिन आम आदमी की जेब खाली

इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नागपुर के सुदाम नगरी जैसे कामकाजी इलाकों में रात के 10 बजे के बाद भी घरों के बाहर लोगों की भारी भीड़ देखी जा सकती है। लोग भीषण गर्मी के कारण अपने टिन की छतों वाले घरों के भीतर रुकने का साहस नहीं जुटा पा रहे हैं। यहां रहने वाली 40 वर्षीय अनुराधा श्रवण कावले एक घरेलू सहायिका हैं। उनके घर के कोने में कूलर तो रखा है, लेकिन वह बंद पड़ा है। अप्रैल महीने में 188 यूनिट बिजली इस्तेमाल करने पर उन्हें 1,960 रुपये का बिल मिला है, जो प्रति यूनिट 10 रुपये से भी अधिक बैठता है। यह राशि उनके कुल पारिवारिक मासिक वेतन का लगभग 10 प्रतिशत है। इस बढ़ते खर्च के कारण उन्हें अपनी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों तक से समझौता करना पड़ रहा है, ताकि बच्चों की पढ़ाई का खर्च निकाला जा सके। उपभोक्ताओं के लिए स्थिति यह हो गई है कि वे दिन का अधिकांश समय घरों से बाहर बिताने को मजबूर हैं ताकि बिजली का बिल कम रखा जा सके।

महाराष्ट्र में देश की सबसे महंगी बिजली

महाराष्ट्र में देश की सबसे महंगी बिजली मिल रही है। इसका मुख्य कारण राज्य का बड़ा औद्योगिक आधार तथा विशाल बिजली ग्रिड को सुचारू रूप से चलाने के लिए किया जाने वाला भारी निवेश है। महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (MSEDCL) ने मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में बिजली आपूर्ति नेटवर्क को सुधारने के लिए अपने पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) में 85 फीसदी की भारी बढ़ोतरी की है, जो अब बढ़कर 234.15 अरब रुपये ($2.14 बिलियन) हो गया है। हालांकि राज्य सरकार ने साल 2030 तक आवासीय उपभोक्ताओं के लिए बिजली की दरों में 26 प्रतिशत तक की कटौती करने की योजना तैयार की है, लेकिन इसके पीछे भी एक बड़ा पेंच है। इस राहत का मुख्य लाभ केवल उन उपभोक्ताओं को मिलेगा जो 100 यूनिट से कम बिजली खर्च करते हैं।

किसानों को गलत समय पर मिल रही बिजली

यह संकट केवल शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। नागपुर से करीब 100 किलोमीटर दूर केलापुर के किसानों की समस्याएं अलग हैं। सरकार द्वारा खेती के लिए सब्सिडी वाली बिजली तो दी जा रही है, लेकिन उसकी टाइमिंग सही नहीं है। बिजली सुबह 8 बजे से दोपहर बाद तक दी जाती है, जब धूप सबसे ज्यादा जानलेवा होती है।

किसानों का कहना है कि बिजली कंपनियों के लिए ग्रिड को संतुलित करने के लिहाज से यह समय सही हो सकता है, लेकिन इस जानलेवा धूप में खेतों में जाकर मोटर चलाना और सिंचाई करना अपनी जान को जोखिम में डालने जैसा है। इस अव्यवहारिक समय सारणी के कारण कई किसानों की जमीनें खाली पड़ी हैं और वे केवल मानसून के भरोसे बैठने को मजबूर हैं। अगर बिजली की आपूर्ति सही समय पर हो, तो फसल की पैदावार और किसानों की आय दोनों में सुधार हो सकता है।

थिंकटैंक 'इंटीग्रेटेड रिसर्च एंड एक्शन फॉर डेवलपमेंट' (IRADe) का मानना है कि राज्यों को कम आय वाले लोगों के लिए गर्मियों में विशेष मौसमी सब्सिडी देने पर विचार करना चाहिए, ताकि उत्पादकता के नुकसान और स्वास्थ्य प्रणाली पर बढ़ते बोझ को रोका जा सके।

पेट्रोल-डीजल होगा बीते दिनों की बात, अब एथेनॉल से ऐसे चलेगी गाड़ियां

केंद्र सरकार देशभर में अगले दो साल में 5,000 E100 एथेनॉल फ्यूल स्टेशन शुरू करने की तैयारी में है। इससे फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को बढ़ावा मिलेगा, कच्चे तेल का आयात घटेगा और किसानों के लिए एथेनॉल बाजार भी मजबूत होगा।

भारत में कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए केंद्र सरकार अब 100% एथेनॉल यानी E100 फ्लेक्स फ्यूल को तेजी से बढ़ावा देने की तैयारी में है। सरकार अगले दो वर्षों में देशभर में 5,000 E100 फ्यूल स्टेशन शुरू करने की योजना पर काम कर रही है। इससे फ्लेक्स फ्यूल वाहनों (FFVs) का इस्तेमाल बढ़ेगा और विदेशी मुद्रा की बचत में मदद मिल सकती है।

बड़े शहरों से होगी शुरुआत

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के रोडमैप के मुताबिक, अगले एक महीने में दिल्ली, मुंबई, पुणे और नागपुर में 150 E100 फ्यूल स्टेशन शुरू किए जाएंगे। इसके बाद अगले 6 से 12 महीनों में दिल्ली-एनसीआर और महाराष्ट्र के अलावा बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद में भी यह सुविधा बढ़ाई जाएगी। सरकार का लक्ष्य पहले चरण में 500 रिटेल आउटलेट शुरू करने का है। इसके बाद अगले 24 महीनों में यह संख्या बढ़ाकर 5,000 तक पहुंचाई जाएगी।

ऑटो कंपनियां तैयार, लॉन्च का इंतजार

देश की कई बड़ी वाहन निर्माता कंपनियां जैसे Maruti Suzuki, Hyundai, Tata Motors, Mahindra & Mahindra, Hero MotoCorp और TVS Motor Company फ्लेक्स फ्यूल वाहनों के प्रोटोटाइप तैयार कर चुकी हैं। हालांकि, E100 पंपों की कमी और ईंधन की कीमत को लेकर स्पष्टता नहीं होने के कारण कंपनियां अभी इन वाहनों को बाजार में लॉन्च नहीं कर रही हैं।

कच्चे तेल के आयात में मिल सकती है राहत

फ्लेक्स फ्यूल वाहन ऐसे इंजन पर चलते हैं जो पेट्रोल और ज्यादा एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन दोनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे भारत को कच्चे तेल के आयात पर होने वाले भारी खर्च में राहत मिल सकती है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने करीब 10.19 लाख करोड़ रुपये का कच्चा तेल आयात किया था।

सोसायटी ऑफ इंडिया ऑटोमोबाल मैन्युफैक्चर्स (SIAM) का मानना है कि E100 को आम लोगों के लिए आकर्षक बनाने के लिए इसकी कीमत सामान्य पेट्रोल से करीब 30% कम रखनी होगी, क्योंकि इसकी माइलेज थोड़ी कम होती है।

मांग बढ़ाना सबसे बड़ी चुनौती

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (IOC) ने पहले पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर करीब 400 पंपों पर E100 उपलब्ध कराया था, लेकिन इसकी मांग बेहद कम रही। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक बड़ी संख्या में फ्लेक्स फ्यूल वाहन सड़कों पर नहीं उतरते, तब तक E100 की मांग बढ़ाना चुनौती बना रहेगा। फिलहाल भारत में पेट्रोल में 20% एथेनॉल ब्लेंडिंग की जा रही है, लेकिन सरकार अब इसे अगले स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही है।

ट्रंप की नीतियों के खिलाफ चीन-रूस मुखर, कहा- दुनिया बहुध्रुवीय हो रही है, गोल्डन डोम की भी निंदा

बीजिंग, एजेंसी। चीन-रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वर्चस्ववादी नीतियों की कड़ी निंदा की है। बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता के बाद जारी साझा बयान में दोनों देशों ने खुद को बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था यानी ऐसी दुनिया के समर्थक के रूप में पेश किया, जहां किसी एक देश का दबदबा न हो। चिनपिंग ने बिना अमेरिका का नाम लिए कहा कि दुनिया में एकाधिकार और वर्चस्ववादी प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। दोनों देशों को मिलकर एकतरफा दादागिरी का विरोध करना चाहिए और अधिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की रक्षा करनी चाहिए। चीनी समकक्ष की इस बात को पुतिन ने रूस-चीन संबंधों के लिए

अभूतपूर्व बताया। साथ ही कहा कि एक बहुकेंद्रित दुनिया बनाने की जटिल प्रक्रिया आकार ले रही है और रूस-चीन साझेदारी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थिरता का बड़ा आधार है। पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने पर एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

बीजिंग में पुतिन के ग्रेट हाल ऑफ द पीपल में औपचारिक स्वागत के बाद उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। ऐसे में लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है। वहीं, पुतिन ने कहा, रूस और चीन संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे मुख्य हितों की रक्षा के लिए साथ काम करेंगे। मॉस्को और बीजिंग के बीच करीबी रणनीतिक संबंध वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों ने रणनीतिक सहयोग मजबूत करने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थन में संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए।

वैश्विक शासन को नया आकार देने का लिया संकल्प

दोनों देशों ने संयुक्त घोषणापत्र में आधिकारिक तौर पर एकतरफा राजनीतिक प्रभुत्व का विरोध करने का संकल्प लिया और पश्चिमी रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा रियोजनाओं की कड़ी आलोचना की। नेताओं ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार का समर्थन किया। इसमें कहा गया है कि सभी द्विपक्षीय निर्यात-आयात अब अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पश्चिमी वित्तीय प्रतिबंधों से बचाने के लिए सीधे रूबल और युआन में किए जाएं।

अंतरराष्ट्रीय कानूनों के संशोधन पर दिया जोर

पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय दुनिया की वास्तविकताओं को दिखाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के संशोधन करने पर जोर दिया है। संयुक्त घोषणापत्र ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे गैर-पश्चिमी मंचों के जरिए वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देता है। रूस ने चीन को बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति का वादा किया है, जबकि दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग में एकतरफा हस्तक्षेप की निंदा की और समुद्री बुनियादी ढांचे को राजनीतिकरण से मुक्त रखने की अपील की।

रूस-चीन गठबंधन अभी सबसे ज्यादा अहम

पुतिन ने कहा कि मॉस्को और बीजिंग सांस्कृतिक और सभ्यतागत विविधता और राष्ट्रों के संप्रभु विकास के सम्मान की रक्षा करते हुए एक अधिक न्यायपूर्ण और लोकतांत्रिक विश्व व्यवस्था बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

'सिर्फ जन्मजात अमेरिकी ही संभालें सत्ता' : अमेरिकी संसद ने प्रस्ताव पेश, जमकर हो रहा विरोध

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में प्राकृतिक रूप से नागरिकता हासिल करने वाले लोगों के अधिकारों को लेकर नई बहस छिड़ गई है। रिपब्लिकन सांसद नैन्सी मेस ने एक संवैधानिक संशोधन प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें प्राकृतिक रूप से अमेरिकी नागरिक बने लोगों को कांग्रेस सदस्य, संघीय न्यायाधीश और सीनेट की पुष्टि वाले महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त होने से रोकने की मांग की गई है। इस प्रस्ताव को लेकर डेमोक्रेटिक नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे नस्लवादी, घृणित और विदेशी मूल के लोगों के खिलाफ बताया है। प्राकृतिक रूप से नागरिकता का मतलब है कि कोई व्यक्ति जन्म से उस देश का नागरिक न हो, लेकिन बाद में कानूनी प्रक्रिया पूरी करके उस देश की नागरिकता हासिल कर ले। साउथ कैरोलिना की सांसद मेस ने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय से लंबित संवैधानिक संशोधन पेश किया है। उन्होंने तर्क दिया कि अमेरिका के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति बनने के लिए पहले से ही नेचुरल बॉर्न सिटिजन यानी जन्म से अमेरिकी नागरिक होना जरूरी है, इसलिए यही नियम कांग्रेस, संघीय अदालतों और सीनेट से मंजूर होने वाले पदों पर भी लागू होना चाहिए। मेस ने अपने पोस्ट में डेमोक्रेटिक सांसदों इल्हान उमर, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार की तस्वीरें भी साझा कीं। इनमें उमर सोमालियाई मूल की अमेरिकी हैं, जबकि जयपाल और थानेदार भारतीय मूल के नेता हैं। मेस ने अपने बयान में कहा कि अमेरिका के कानून लिखने वाले, न्यायाधीशों की पुष्टि करने वाले और दुनिया के सामने अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाले लोगों की निष्ठा सिर्फ अमेरिका के प्रति होनी चाहिए, किसी दूसरे देश के प्रति नहीं। उन्होंने खास तौर पर इल्हान उमर का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ नेताओं की वफादारी अमेरिका से बाहर दिखाई देती है। हालांकि, इस प्रस्ताव का असर केवल डेमोक्रेट्स तक सीमित नहीं रहेगा। अमेरिका की कांग्रेस में ऐसे 26 सदस्य हैं जो विदेश में जन्मे हैं, जिनमें कुछ रिपब्लिकन सांसद भी शामिल हैं। डेमोक्रेटिक सांसदों ने इस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की। भारतीय मूल की सांसद प्रमिला जयपाल ने इसे संकीर्ण सोच, विदेशी विरोधी मानसिकता और अमेरिका के इतिहास का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक नस्लवाद से प्रेरित है और कांग्रेस में इसकी कोई जगह नहीं होनी चाहिए। भारतीय मूल के सांसद श्री थानेदार ने भी मेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जो लोग मेहनत करके अमेरिका आए और देश के लिए योगदान दे रहे हैं, उन पर निशाना साधने से पहले अपने व्यवहार को ठीक कीजिए।

ग्रीनलैंड में पहाड़ टूटने से उठी सुनामी तरंगों ने नौ दिन हिलाई थी धरती, वैज्ञानिकों ने सुलझाया रहस्य

कोपेनहेगन/ग्रीनलैंड। लगातार नौ दिनों तक दर्ज वैश्विक भूकंपीय तरंगों का रहस्य वैज्ञानिकों ने सुलझा लिया है। अध्ययन से पता चला है कि ग्रीनलैंड के डिक्सन फियोर्ड में सितंबर 2023 में पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूटकर जलक्षेत्र में गिरने से करीब 650 फीट ऊंची अनुमानित मेगा-सुनामी पैदा हुई थी, जिसके असर से दुनिया भर में लगातार 9 दिनों तक भूकंपीय संकेत दर्ज किए गए।

वैज्ञानिकों के अनुसार यह घटना जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती भू-वैज्ञानिक अस्थिरता का गंभीर संकेत है। डिक्सन फियोर्ड ग्रीनलैंड के पूर्वी हिस्से में स्थित एक संकरा समुद्री जलमार्ग है, जो ऊंची चट्टानों और ग्लेशियरों से घिरा हुआ है। फियोर्ड दरअसल समुद्र की ऐसी लंबी और संकरी खाड़ी को कहा जाता है, जो हजारों वर्षों पहले ग्लेशियरों द्वारा चट्टानों को काटकर बनाई गई हो। इसमें समुद्र का पानी भीतर तक घुसा रहता है और दोनों ओर खड़ी पहाड़ियां होती हैं।

साइंस एंड नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित अध्ययनों तथा अर्थ स्नैप की रिपोर्ट के अनुसार इस रहस्यमयी घटना को समझने के लिए दुनिया भर के 41 संस्थानों से जुड़े 70 से अधिक वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट डाटा, भूकंपीय रिकॉर्ड और उन्नत कंप्यूटर मॉडलिंग का उपयोग किया। वैज्ञानिकों के अनुसार सितंबर 2023 में दुनिया भर के भूकंपीय सेंसरों ने एक असामान्य संकेत दर्ज करना शुरू किया। यह संकेत सामान्य भूकंप जैसा नहीं था। हर 92 सेकंड पर एक समान कंपन रिकॉर्ड हो रहा था और यह क्रम लगातार 9 दिनों तक जारी रहा। इसकी तरंगें अलास्का से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक पृथ्वी की चट्टानों में दर्ज की गईं।

विशेषज्ञों ने बताया कि सामान्य भूकंपों में अनियमित और तीव्र भूकंपीय पैटर्न दिखाई देते हैं, जबकि इस घटना में तरंगों का क्रम बेहद नियमित था। शुरुआती दिनों में वैज्ञानिक यह समझ नहीं पाए कि यह संकेत आखिर किस कारण उत्पन्न हो रहा है। हालांकि यह घटना सितंबर 2023 में हुई थी, लेकिन इसकी वास्तविक वजह और पूरी वैज्ञानिक तस्वीर अप्रैल 2026 में सामने आ सकी। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस घटना के पीछे जलवायु परिवर्तन की बड़ी भूमिका है। पहले ग्लेशियर की बर्फ उस पहाड़ी ढलान को सहारा देती थी, लेकिन बढ़ते तापमान और गर्म समुद्री जल ने उस प्राकृतिक समर्थन को कमजोर कर दिया। एलिस गैब्रियल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पृथ्वी पर सामान्य परिस्थितियों को बदल रहा है और इसी कारण ऐसी असामान्य घटनाएं सामने आ रही हैं।

क्यूबा पर बढ़ते तनाव के बीच कैरेबियन सागर पहुंचा यूएसएस निमित्ज, अमेरिका ने बढ़ाई सैन्य मौजूदगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी 'द हिल' की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है।

अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए-18जी ग्रोवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान और सी-2 ग्रेहाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और USNS पटक्सेंट ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान (Southcom) ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है।

1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया था। यह जानकारी ब्राजील में अमेरिकी दूतावास द्वारा दी गई थी।

ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर बढ़ाया दबाव

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में क्यूबा के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो नागरिक विमानों को गिराने से संबंधित हत्या और अन्य अपराधों के औपचारिक आरोप लगाए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने इसे क्यूबा-अमेरिकी समुदाय के लिए बड़ा क्षण बताया। ट्रंप ने कहा 'यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल क्यूबा अमेरिकियों के लिए, बल्कि क्यूबा से आए उन लोगों के लिए भी एक बहुत बड़ा क्षण था, जो क्यूबा वापस जाना चाहते हैं, क्यूबा में अपने परिवार से मिलना चाहते हैं।'

मार्को रुबियो का स्पेनिश संदेश

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता के नाम स्पेनिश भाषा में संदेश जारी किया। उन्होंने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को बिजली संकट और आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। रुबियो ने अमेरिका की ईंधन नाकेबंदी नीति का भी समर्थन किया। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने हाल ही में क्यूबा अधिकारियों से मुलाकात की थी। उन्होंने साफ कहा कि बातचीत की संभावना हमेशा खुली नहीं रहेगी। इस बयान के बाद कूटनीतिक गलियारों में तनाव और बढ़ गया है।

तमिलनाडु की सरकार में 59 साल बाद कांग्रेस की वापसी, विजय कैबिनेट में दो विधायक बने मंत्री

नई दिल्ली। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हो गया है। नई सरकार में विजय की टीवीके पार्टी के 21 और सहयोगी दल कांग्रेस के 2 विधायकों ने मंत्री के रूप में शपथ ली।

टीवीके सरकार के बहुमत के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले दो अहम सहयोगी दल, आईयूएमएल और वीसीके फिलहाल इस कैबिनेट विस्तार का हिस्सा नहीं हैं। दोनों दलों के पास 2-2 विधायक हैं।

एनडीटीवी के अनुसार, IUML और VCK दोनों के लिए कैबिनेट में एक-एक पद आरक्षित रखा गया है, लेकिन उन्होंने अभी तक अपने मंत्रियों के नाम तय नहीं किए हैं। इन दोनों सहयोगी दलों को बाद के चरण में सरकार में शामिल किया जाएगा।

सहयोगियों को सरकार में शामिल होने का न्यौता

टीवीके नेतृत्व लगातार वीसीके, सीपीआई, सीपीएम और आईयूएमएल को औपचारिक रूप से गठबंधन सरकार में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहा है, जो फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे हैं। तमिलनाडु के लोक निर्माण और खेल मंत्री आधव अर्जुन ने मंगलवार को कहा था कि मुख्यमंत्री ने इस बात को दोहराया है। यह उनकी इच्छा और सपना भी है। हमें अच्छी खबर की उम्मीद है। हम चाहेंगे कि वीसीके प्रमुख थोल तिरुमावलवन भी मंत्रिमंडल में शामिल हों। सीएम विजय ने 10 मई को 9 मंत्रियों के साथ पद की शपथ ली थी। उनके मंत्रिमंडल में अधिकतम 35 मंत्री हो सकते हैं। आज 23 नए मंत्रियों के शामिल होने से विजय सरकार में मंत्रियों की कुल संख्या 32 हो गई है। ऐसे में वीसीके और आईयूएमएल जैसे सहयोगी दलों के लिए अभी भी 3 पद खाली हैं।

शपथ लेने वाले विधायकों की सूची

शपथ लेने वाले विधायकों में 21 टीवीके से हैं, जिनमें श्रीनाथ, कमली एस, सी विजयलक्ष्मी, आरवी रंजीतकुमार, विनोद, राजीव, बी राजकुमार, वी गांधीराज, मथन राजा पी, जगदेश्वरी के, राजेश कुमार एस, एम विजय बालाजी, लोगेश तमिलसेल्वन डी, विजय तमिलन पार्थीबन ए, रमेश, पी विश्वनाथन, कुमार आर, थेन्नारासु के, वी संपत कुमार, मोहम्मद फरवास जे, डी सरथकुमार, एन मैरी विल्सन और विग्नेश के शामिल हैं।

छह दशक बाद तमिलनाडु की सत्ता में कांग्रेस की वापसी

विजय के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने वाले दो कांग्रेस विधायक राजेश कुमार और तिरु पी. विश्वनाथन हैं। लगभग छह दशकों में यह पहली बार है जब कांग्रेस तमिलनाडु में सरकार का हिस्सा बनने जा रही है। पिछली बार कांग्रेस ने एम. भक्तवत्सलम के नेतृत्व में सरकार चलाई थी, जो राज्य में कांग्रेस के आखिरी मुख्यमंत्री थे और उनका कार्यकाल मार्च 1967 में समाप्त हुआ था।

1967 के ऐतिहासिक विधानसभा चुनावों में सीएन अन्नादुरई के नेतृत्व वाले डीएमके ने कांग्रेस पार्टी को हरा दिया था। तब से लेकर अब तक कांग्रेस राज्य में किसी भी सरकार का हिस्सा नहीं रही थी। अब विजय के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में शामिल होकर पार्टी ने लंबे अंतराल के बाद सत्ता में वापसी की है।

600 करोड़ की जमीन, 500 झुग्गियां और ईद का त्योहार... मुंबई में बुलडोजर एक्शन के दौरान क्यों भड़की हिंसा?

नई दिल्ली। बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा हरी झंडी के बाद मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर में पश्चिमी रेलवे द्वारा अब तक का सबसे बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू किया है। मंगलवार को शुरू हुआ यह अतिक्रमण विरोधथी अभियान बुधवार को हिंसा के बीच भी जारी रहा।

अतिक्रमण हटाने का अभियान भारी सुरक्षा तैनाती के साथ शुरू हुआ है। अधिकारियों ने इलाके में लगभग 400 पुलिसकर्मी, 400 जीआरपी और आरपीएफ कर्मी और लगभग 200 रेलवे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए, गरीब नगर में प्रवेश करने वाले कई रास्तों को सील कर दिया गया।

दूसरे दिन भड़क उठी हिंसा

अतिक्रमण हटाने के दूसरे दिन यानी बुधवार को भारी हिंसा भड़क उठी। बांद्रा ईस्ट स्काईवॉक के पास एक अवैध धार्मिक स्थल को गिराए जाने के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया,

जिसके जवाब में पुलिस को लाठीचार्ज किया। इस झड़प में 7 पुलिसकर्मियों सहित 13 लोग घायल हुए हैं।

पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने विध्वंस दल पर पत्थर, बर्तन और अन्य वस्तुएं फेंकीं, जिसके बाद लाठीचार्ज किया गया। इस घटना में सात पुलिसकर्मी और छह प्रदर्शनकारी घायल हो गए, जबकि 10 लोगों को हिरासत में लिया गया। दंगा और सरकारी अधिकारियों पर हमले के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिनव देशमुख ने हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

600 करोड़ रुपये जमीन की अनुमानित लागत

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 5,200 वर्ग मीटर रेलवे भूमि को खाली कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। इस जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 600 करोड़ रुपये है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह अतिक्रमण रेलवे अवसंरचना के खतरनाक रूप से करीब तक फैल गई है, जिसमें हार्बर लाइन की पटरियां और ओवरहेड इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट (ओएचई) के खंभे शामिल हैं।

खुद की काबिलियत पर भरोसा करें महिलाएं, मेहनत से मिलती है कामयाबी: हुमा कुरैशी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपना नया लुक शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने आज की भारतीय महिला की पहचान को लेकर एक बेहद दिलचस्प और दिल छू लेने वाली बात कही है। हुमा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस लेटेस्ट लुक की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ब्लैक कलर के खूबसूरत वनपीस आउटफिट में नजर आ रही हैं। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, मेरे लिए एक आधुनिक भारतीय महिला होने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों (संस्कृति) को छोड़े बिना अपनी मेहनत के दम पर दुनिया में धीरे-धीरे आगे बढ़ना है। खुद को बदले बिना दुनिया में अपनी एक अलग और नई पहचान बनाना ही सबसे बड़ी खूबी है। हुमा ने महिलाओं का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, जीवन में मुश्किलों से डरने के बजाय उन्हें अपनी असली ताकत बनाना चाहिए। अपने सपनों को खुलकर और खूबसूरती से जीना जरूरी है। जब आप किसी ऊंचे मुकाम पर पहुंचें, तो आपके मन में यह पक्का विश्वास होना चाहिए कि आप यहां सिर्फ अपनी किस्मत के भरोसे नहीं, बल्कि अपनी कड़ी मेहनत के दम पर पहुंची हैं।

अभिनेत्री ने आखिर में लिखा कि हर महिला को हमेशा पूरी सच्चाई और आत्मविश्वास के साथ अपनी जिंदगी जीनी चाहिए। उन्होंने लिखा, जिंदगी में जब भी कोई नया मोड़ आए, तो उसे अपनी सकारात्मकता से खास बना देना चाहिए। फिर मिलेंगे कान्स में।

अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में नजर आएंगी। यश की इस बहुचर्चित पीरियड गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में अभिनेत्री एलिजाबेथ का किरदार निभा रही हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में उनका लुक बेहद रहस्यमयी और शाही है।

यह फिल्म 1940 से 1970 के दशक के बीच के गोवा पर आधारित एक डार्क गैंगस्टर ड्रामा है। इसमें क्राइम सिंडिकेट, ड्रग तस्करी और सत्ता की लड़ाई दिखाई जाएगी। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मणी वसंत भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

साड़ी में गजब ढाती हैं जाह्नवी कपूर, पेड्डी एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर अटक जाएगा आपका दिल

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर के साड़ी अवतार में अलग-अलग लुक्स को देख दंग रह जाएंगे आप। देखिए कैसे अपने साड़ी लुक से जाह्नवी ने फैंस का दिल जीता और इंटरनेट पर अपना जलवा बिखेरा। जब बात बॉलीवुड के फैशन की हो और एक्ट्रेसेस का साड़ी लुक में ग्लैम दिखे, तो जाह्नवी कपूर का नाम सबसे पहले आता है। जाह्नवी कपूर अकसर अपने इंस्टाग्राम पर साड़ी लुक में फोटो अपलोड करती नज़र आती हैं। जेन-जी एक्ट्रेस का ट्रैडिशनल लुक उनके फैंस का दिल हर बार जीत लेता है। जाह्नवी कपूर के साड़ी अवतार की बात हो तो केवल उनके कपड़े और मेकअप नहीं, ब्लकि उनकी बॉडी लैंग्वेज, स्टाइल, और ग्रेस कि तारीफ भी करी जाती है।

भारी और डिज़ाइनर साड़ी में जाह्नवी का चहरा और भी ज़्यादा खिल कर आता है। ट्रेंडिंग फैशन सेंस के साथ- साथ साड़ी में ग्लैमरस लुक देना उनकी खासीयत है। जाह्नवी का साड़ी अवतार हमेशा अलग अंदाज में सामने आता है। इस लुक में जाह्नवी बेहद रॉयल लग रही हैं। ट्रेडीशनल साउथ लुक, हैवी ज्वेलरी, बिंदी, मिनिमल मेकअप और चहरे पर मासूमियत। जाह्नवी कपूर के साड़ी को ड्रेप

करने का तरीका हमेशा काफी ग्रेसफुल और एलिगेंट रहता है। इसी के साथ उनका नो-हेवी मेकअप लुक उनके अवतार में चार-चांद लगा देता है। डिज़ाइनर साड़ी के अलावा जब जाह्नवी प्लेन कॉटन, प्रिंटेड या सिल्क कि साड़ी पहनती हैं तो उनको देखते ही श्रीदेवी का 80ह्व वाला लुक सामने आ जाता है। मॉर्डन ड्रेसेस और हेवी मेकअप लुक जाह्नवी पर खुब जचता है, लेकिन साड़ी में उनकी खूबसूरती और कॉनफिड्रेंस अलग ही खिलता है। हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म पेड्डी के ट्रेलर लॉन्च के लिए जाह्नवी ने ब्लू साड़ी लुक में सोशल मीडिया पर फोटो डाली। तस्वीरें देख फैंस बोले ट्रेडिशनल हो तो ऐसा।

बॉक्स ऑफिस पर पति पत्नी और वो दो का चौथे दिन बिगड़ा संतुलन, चार दिन में ही बुरी तरह पिट चुकी आखिरी सवाल

आयुष्मान खुराना की रोमांटिक-कॉमेडी पति पत्नी और वो दो ने वीकेंड पर दमदार प्रदर्शन किया था। हालांकि कारोबारी दिनों में लौटकर इसके कदम डगमगाने लगे हैं। बॉक्स ऑफिस पर पहले ही सोमवार को कमाई का संतुलन बिगड़ता दिखाई दिया है। वहीं दूसरी ओर, सूर्या और तृषा कृष्णन की फिल्म करप्पू ताबड़तोड़ कमाई करती जा रही है और 100 करोड़ के क्लब में जगह बनाने के बेहद करीब है। इन दोनों के आगे फिल्म आखिरी सवाल औंधे मुंह गिर गई है।

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने अपने पहले सोमवार, यानी चौथे दिन सिर्फ 3.25 करोड़ रुपये कमाए हैं। यह अब तक का सबसे कम आंकड़ा है, क्योंकि 4 करोड़ रुपये से खाता खोलकर इसने दूसरे दिन 5.75 करोड़ और तीसरे दिन 7.75 करोड़ रुपये कमाए थे। 4 दिनों में फिल्म कुल 20.75 करोड़ रुपये जमा कर पाई है। आगे की राहें और मुश्किल होंगी क्योंकि अगले हफ्ते अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी की फिल्म चांद मेरा दिल रिलीज हो रही है। रितेश देशमुख द्वारा निर्देशित और स्टारर फिल्म राजा शिवाजी ने रिलीज के 18वें दिन

1.15 करोड़ रुपये कमाए, जबकि 17वें दिन इसने 3.45 करोड़ रुपये कमाए थे। बता दें कि इस फिल्म की भारत में 18 दिनों की नेट कमाई अब 85.71 करोड़ रुपये हो चुकी है।

कृष्णावतारम पार्ट 1 ने रिलीज के दूसरे वीकेंड तक बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया था लेकिन दूसरे मंडे को इसकी कमाई को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 12वें दिन इस फिल्म ने महज 73 लाख रुपये कमाए, जबकि 11वें दिन इसने 3.20 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म की कुल कमाई भारत में अब 20.95 करोड़ रुपये हो चुकी है। बता दें कि इसकी कहानी भगवान कृष्ण के जीवन पर आधारित है।

संजय दत्त की हालिया रिलीज फिल्म आखिरी सवाल बॉक्स ऑफिस पर महज चार दिन में ही बुरी तरह पिट चुकी है। इस फिल्म ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन, रविवार को महज 80 लाख रुपये कमाए थे। वहीं मंडे टेस्ट में तो ये बुरी तरह फेल हो गई, सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने सोमवार को यानी अपनी रिलीज के चौथे दिन केवल 21 लाख रुपये ही कमाए। फिल्म का चार दिनों का भारत में कुल कलेक्शन अब 2.16 करोड़ रुपये हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com